रायपुर
गुरुवार 17 सितंबर 2026
वर्ष-07, अंक-259
पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com   Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

पाकिस्तानी नेवी शिप अरब सागर में भारतीय युद्धपोत से टकराया

नई दिल्ली। पाकिस्तानी नौसेना का एक जहाज अरब सागर के अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में भारतीय नौसेना के जहाज से टकरा गया। घटना कब की है, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। इससे पहले 2011 में भी दोनों देशों के जहाजों में टक्कर हुई थी। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारतीय युद्धपोत नियमित निगरानी मिशन पर था। इसी दौरान पाकिस्तानी जहाज तेज रफ्तार में आया और गलत दिशा में मुड़ गया, जिससे दोनों जहाज टकरा गए। सूत्रों के हवाले से बताया कि पाकिस्तानी हुनैन है। इसे समुद्री निगरानी और गश्त के लिए इस्तेमाल किया जाता है। टक्कर में इसको नुकसान पहुंचा है।

अमेरिका में कवरेज के दौरान NBC चैनल का हेलिकॉप्टर क्रैश

नई दिल्ली।अमेरिका के लॉस एंजिल्स में मंगलवार शाम NBC न्यूज का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। हेलिकॉप्टर एक बस और SUV की टक्कर की कवरेज कर रहा था। हादसे की खबर मिलते ही NBC लॉस एंजिल्स ने लाइव कवरेज रोक दी।हेलिकॉप्टर में पायलट जॉर्ज मार्सिनिव और फोटो जर्नलिस्ट एलियाना मोरेनो सवार थे। दोनों की मौत हो गई। जमीन पर मौजूद एक शख्स की भी हादसे में मौत हुई है। ायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, हादसे के बाद 2 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत की जानकारी नहीं दी गई।

इजराइल को 26 हजार करोड़ के हथियार देंगे ट्रम्प

नई दिल्ली।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का प्रशासन इजराइल को 2.8 अरब डॉलर यानी करीब ?26 हजार करोड़ के हथियार देने की तैयारी कर रहा है। इस पैकेज में करीब 40 हजार भारी बम शामिल हैं।हर बम का वजन 2000 पाउंड यानी करीब 900 किलो है। इन बमों की सप्लाई पर पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2024 में रोक लगाई थी।प्रस्तावित हथियार पैकेज में 20 हजार स्ब्म्84 और 20 हजार ब्रुरू-117 बम शामिल हैं। डील अभी फाइनल नहीं हुई है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, कांग्रेस को इसकी अनौपचारिक जानकारी दे दी गई है।2024 में बाइडेन प्रशासन ने 2,000 पाउंड के इन बमों की एक खेप इजराइल भेजने पर रोक लगा दी थी। उस समय चिंता थी कि गाजा जैसे घनी में लोगों की मौत हो सकती है।

तुकाराम मुंडे ने बताया- दवा की असली कीमत से कितनी ज्यादा महंगी दवा खरीदते हैं आप

नई दिल्ली। अस्पताल में इलाज कराने के दौरान मरीज के हाथ में जो बिल आता है, उसमें कई ऐसी चीजें शामिल होती हैं, जिनकी असली खरीद कीमत शायद ही मरीज को पता होती है। अधिकारी तुकाराम मुंडे ने एक पोस्ट के जरिए मेडिकल कंज्यूमेबल्स की कीमत और उनकी ट्रेड प्राइस के बीच के अंतर पर सवाल उठाया है। अस्पताल का बिल देखते वक्त क्या आपने कभी सोचा है कि जिस मेडिकल सामान के लिए आप भुगतान कर रहे हैंज अस्पताल ने उसे कितने में खरीदा होगा? महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन के कमिश्नर IAS अधिकारी तुकाराम मुंडे ने इसी सवाल को उठाया है।

17 सितंबर को जलेंगे 1.21 लाख से अधिक 'आशीर्वाद के दीये'

दीयों की रोशनी में सजेगा राय छत्तीसगढ़

दीयों की रोशनी में सजेगा कोरिया, 17 सितंबर को जलेंगे 1.21 लाख से अधिक 'आशीर्वाद के दीये'

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, सेवा और समर्पण के प्रति जिलेवासी करेंगे आभार

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को कोरिया जिले में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जिलेभर में 1. 21 लाख से अधिक दीये प्रज्वलित किए जाएंगे। दीप प्रज्वलन के माध्यम से जिलेवासी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, सेवा, समर्पण एवं जनकल्याण के प्रति आभार व्यक्त करेंगे।17 सितंबर को शाम 7 बजे जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, अमृत सरोवरों, चौक-चौराहों एवं प्रमुख स्थलों पर एक साथ दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। बैकुंठपुर में आयोजित होगा, जहां 10 हजार दीयों से रोशनी का विशेष आयोजन किया जाएगा।बैकुंठपुर एवं सोनहत जनपद पंचायत क्षेत्रों के साथ बैकुंठपुर, शिवपुर-चरचा और पटना नगरीय क्षेत्रों में भी व्यापक स्तर पर दीप प्रज्वलन किया जाएगा। ग्राम पंचायतों में 500-500 दीयों के साथ अमृत सरोवरों एवं अन्य प्रमुख स्थलों पर भी दीप जलाए जाएंगे। जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय संस्थानों तथा निगम, मंडल एवं बोर्ड के कार्यालयों में भी दीप प्रज्वलित किए जाएंगे।इस तरह 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम जिलेभर में सेवा, समर्पण और जनभागीदारी की भावना को अभिव्यक्त करेगा। गांव से शहर तक एक साथ जगमगाते दीये जिलेवासियों की सहभागिता और सामूहिक संकल्प का संदेश देंगे।

जिलेवासियों से 'आशीर्वाद का दीया' में सहभागिता की अपील

कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री योगेंद्र श्रीवास ने 17 सितंबर को आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में जिले से लेकर ग्राम एवं वार्ड स्तर तक के जनप्रतिनिधियों सहित सभी वर्गों के नागरिकों से सहभागिता की अपील की है। उन्होंने जिलेवासियों से कहा है कि आभार के रूप में अपने घर में एक दीया जरूर प्रज्वलित करें। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से ही सेवा संकल्प अभियान को व्यापक स्वरूप प्रदान किया जा सकता है। 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम कोरिया में सेवा, समर्पण और जनभागीदारी की भावना का प्रतीक बनेगा।

'आशीर्वाद का दीया' के लिए बिहान दीदियों ने जगाई जन-अलख

रायपुर। शासकीय योजनाएं तब जन-आंदोलन का रूप लेती हैं, जब समाज का हर वर्ग उनमें अपनी सहभागिता निभाता है। बालोद जिले में सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत कुछ ऐसा ही उत्साह देखने को मिल रहा है। अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम को लेकर बिहान स्व-सहायता समूह की दीदियों ने जनजागरूकता की अनूठी मिसाल पेश की है। बालोद विकासखंड की बिहान समूह से जुड़ी महिलाएं गांव-गांव और घर-घर पहुंचीं। उन्होंने ग्रामीणों से स्वेच्छा से मिट्टी के दीये और बाती एकत्र किए और परिवारों को सेवा संकल्प अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। दीदियों के आत्मीय आग्रह से ग्रामीण भी उत्साह के साथ इस पहल से जुड़े और कार्यक्रम में अपनी सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

दीदियों के प्रयास से गांवों में बना उत्सव का माहौल

बिहान समूह की श्रीमती विनीता साहू और श्रीमती रवीना साहू ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल दीये एकत्र करना नहीं, बल्कि जनसेवा, सुशासन और जनभागीदारी की भावना को घर-घर तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि दीदियों ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए उन्हें 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' जलाने और सेवा संकल्प अभियान में सहभागी बनने के लिए भी प्रेरित किया। दीदियों की इस पहल से गांवों में जहां उत्साह का माहौल बना है वहीं ग्रामीणों ने स्वेच्छा से मिट्टी के दीये उपलब्ध कराए और अभियान से जुड़ने की इच्छा जताई। इससे यह संदेश भी सामने आया कि जब महिलाएं जागरूकता की जिम्मेदारी अपने हाथों में लेती हैं, तो ऐसे महत्वपूर्ण अभियानों में जनभागीदारी और अधिक मजबूत होती है।

जनजागरूकता में बिहान दीदियों की सशक्त भूमिका

बिहान स्व-सहायता समूह की महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका गतिविधियों के साथ-साथ विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक अभियानों में भी सक्रिय सहभागिता निभा रही हैं। 'आशीर्वाद का दीया' के लिए घर-घर जाकर लोगों को जोड़ने की यह पहल महिला सशक्तिकरण और जनभागीदारी का प्रेरक उदाहरण बन रही हैजब्बे, ग्रामीणों की सहभागिता और सेवा के प्रति सामूहिक संकल्प की चमक भी दिखाई देगी।

टैरिफ का तोड़ ट्रेड डील!

न्यूजीलैंड की संसद में भारत से करार को मंजूरी

एजेंसी ➤ मुंबई

न्यूजीलैंड की संसद में भारत के साथ ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (स्नज्ञ) बहुमत के साथ पास हो गया। यह समझौतादोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देगा।ता दें कि भारत और न्यूजीलैंड ने इसी साल 27 अप्रैल को स्नज्ञ डील पर हस्ताक्षर किए थे। भारत की ओर से इसे जल्द लागू करने की तैयारी की जा रही है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक, समझौता अक्टूबर में लागू हो सकता है। स्नज्ञ के तहत न्यूजीलैंड अपने बाजार में भारत से होने वाले 100 फीसदी एक्सपोर्ट को ड्यूटी फ्री एक्सेस देने पर सहमत हुआ है। इसमें सभी टैरिफ लाइनों को शामिल किया गया है।समझौते के लागू होने के बाद भारत के टेक्सटाइल और कपड़ा, लेदर और फुटवियर, जेम्स एंड ज्वेलरी, इंजीनियरिंग सामान और प्रोसेस्ड फूड जैसे क्षेत्रों को खासा फायदा मिलने की संभावना है। इसके साथ ही, स्नज्ञ डील के तहत न्यूजीलैंड की ओर से भारत में 15 सालों में स्ष्ठ 20 बिलियन के निवेश का वादा भी किया गया है।भारत ने 29।97त्न टैरिफ लाइनों को बाहर रखा भारत ने 29।97 परसेंट टैरिफ लाइनों को बाहर रखा है, जिसमें डेयरी, कई एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट्स, चीनी और कुछ मेटल्स शामिल हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा पदों के संबंध में 30 सितंबर तक दावा-आपत्ति आमंत्रित

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा आधार पर विभिन्न पदों के संबंध में दावा-आपत्ति आमंत्रित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रपत्र में 30 सितंबर 2026 तक अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। दावा-आपत्ति कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (छ.ग.), दुर्गा सरोवर के

पास, अमरपुर, पेंड्रा के पते पर रजिस्टर्ड डाक अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रेषित की जा सकती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत नर्सिंग ऑफिसर, स्टाफ नर्स, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर, अकाउंटेंट असिस्टेंट, ब्लॉक मैनेजर-डेटा एनएचएम, डेंटल असिस्टेंट, फिजियोथेरेपिस्ट, फार्मासिस्ट, आयुष चिकित्सा अधिकारी (महिला), सेक्रेटेरियल असिस्टेंट, न्यूट्रिशन काउंसलर सहित विभिन्न संविदा पदों से संबंधित दावा-आपत्ति प्रस्तुत की जा सकती है।

एक साल में जितने फॉलोअर्स नहीं बढ़े, 3 दिन में उससे ज्यादा गुरुग्राम हादसे वाली सिया का इंस्टाग्राम चर्चा में

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी से सटे गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर हुए हिट एंड रन केस की पीड़िता शिवानी चौहान उर्फ सिया के साथ ही उसका इंस्टाग्राम एकाउंट भी इस समय सुर्खियों में हैके फॉलोअर्स की संख्या महज 13य थी, लेकिन हादसे के बाद के तीन दिनों में यह संख्या लगभग डबल होने हो गई है। इस समय उसके फॉलोअर्स की संख्या 22य है।सिया ने हादसे का वीडियो इसी हैंडल पर पोस्ट किया था। इसके बाद देखते ही देखते वीडियो तेजी से वायरल हुआ और साथ के साथ उसके फॉलोअर्स की संख्या में तेजी से बढ़ी। बीते तीन दिनों में ही सिया को करीब 10य नए फॉलोअर्स मिले हैं।

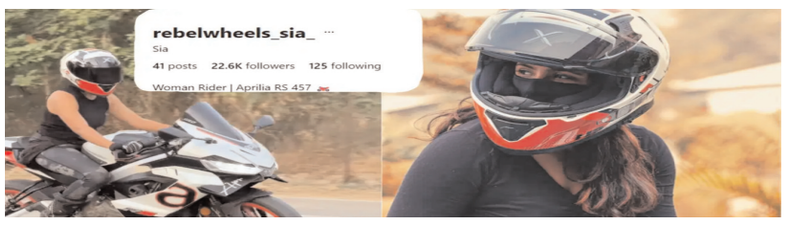

कल्याण बैंसला ने लगाया था आरोप

सिया को टक्कर मारने वाले आरोपी कल्याण बैंसला ने उसके इंस्टा एकाउंट को लेकर आरोप लगाए थे। उसने अपने बयान में खुद को पाक साफ बताते हुए कहा कि सिया ने इंस्टा पर व्यूज पाने और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए इस घटना को तूल देने की कोशिश की है। हालांकि बाद में सिया ने कल्याण बैंसला के इस बयान पर पलटवार भी किया था।

आतंकवाद के खिलाफ केंद्र का बड़ा एक्शन,

शहजाद भट्टी नेटवर्क को घोषित किया आतंकी संगठन

एजेंसी ➤ मुंबई

केंद्र सरकार ने एक बार फिर आतंकवाद के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है और पाकिस्तान स्थित और ढ्ढस्ढ्ढ समर्थित बताए जा रहे शहजाद भट्टी नेटवर्क को आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। गृह मंत्रालय ने 'शहजाद भट्टी नेटवर्क' को ्रक्क के तहत आतंकवादी संगठन घोषित किया। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट के यह जानकारी दी है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब सुरक्षा एजेंसियां पहले ही शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ देश के कई राज्यों

में बड़े स्तर पर कार्रवाई कर चुकी हैं।गृह मंत्रालय के मुताबिक, 12 अगस्त को 14 राज्यों में एक साथ ऑपरेशन चलाकर 253 लोगों को हिरासत में लिया गया था। इस नेटवर्क के खिलाफ अब तक 80 से ज्यादा स्नढ्ढक्र और 200 से अधिक गिरफ्तारियां दर्ज की जा चुकी हैं। इस नेटवर्क पर सीमा पार हथियार, विस्फोटक और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने का आरोप है। साथ ही युवाओं और छोटे अपराधियों को भी आतंकवाद की ओर धकेलने का आरोप हैसुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, कार्रवाई के दौरान ढ्ढश्वष्ठ, पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्ट्री की मार्किंग वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, जिंदा कारतूस और जासूसी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले CCTV कैमरे बरामद किए गए। एजेंसियों का दावा है कि इन बरामदगी से नेटवर्क के सीमा-पार

14 राज्यों में एक साथ कार्रवाई

बीते 12 अगस्त के ऑपरेशन में उत्तर प्रदेश में 62, हरियाणा में 52, दिल्ली में 51 और पंजाब में 44 लोगों को हिरासत में लिया गया था। इसके अलावा राजस्थान में 15, महाराष्ट्र में 8 और उत्तराखंड में 5 लोगों को, जबकि कर्नाटक,

नेटवर्क की साजिश नाकाम

इससे पहले 17 अगस्त को गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने 14 राज्यों मेंट्टी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई का अगला चरण शुरू हो गया है।

न्यूज इन शॉर्ट

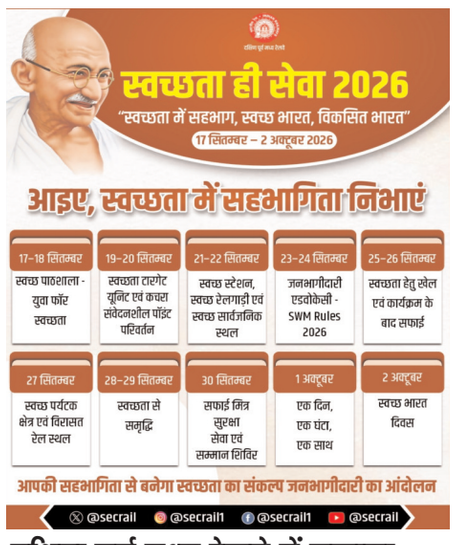

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में चलाया जाएगा 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान!

बिलासपुर। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल में 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान का आयोजन 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत की थीम पर किया जा रहा है। इसके पश्चात स्वच्छता पखवाड़ा 01 से 15 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होगा। इस अवधि के दौरान विभिन्न स्वच्छता, जनजागरूकता एवं जनभागीदारी आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों को स्वच्छ बनाने के साथ-साथ स्वच्छता को जन-आंदोलन का रूप देना, नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना, कचरे के उचित प्रबंधन एवं पृथक्करण को बढ़ावा देना तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ रेलवे परिवेश तैयार करना है।
अभियान के दौरान दिनाँक 17 एवं 18 सितम्बर 2026 को रेलवे स्कूलों एवं कॉलोनियों में विद्यार्थियों एवं युवाओं को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कचरा पृथक्करण, जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। विद्यार्थियों के लिए रेलवे की स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं का भ्रमण, संवाद, वाद-विवाद, चित्रकारी प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।दिनाँक 19 एवं 20 सितम्बर 2026 को कचरा संवेदनशील स्थलों एवं क्लीन्लिनेस टारगेट यूनिट्स (सीटीयूस) की विशेष सफाई कर उनका सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाएगा। साथ ही सामाजिक संगठनों एवं स्थानीय प्रतिष्ठित व्यक्तियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।
दिनाँक 21 एवं 22 सितम्बर 2026 को स्वच्छ स्टेशन-स्वच्छ रेलगाड़ी एवं स्वच्छ सार्वजनिक स्थान अभियान के अंतर्गत स्टेशनों एवं चयनित ट्रेनों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। ट्रेनों में शौचालय, कोच की स्वच्छता, लिनेन तथा ऑनबोर्ड हाउस कीपिंग (ओबीएचएस) एवं पैन्ट्रीकार की स्वच्छता का निरीक्षण किया जाएगा। स्टेशनों पर सूखे एवं गीले कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन तथा प्लास्टिक मुक्त प्लेटफॉर्म को बढ़ावा दिया जाएगा।
दिनाँक 23 एवं 24 सितम्बर 2026 को जनभागीदारी के तहत रेलवे कॉलोनियों में घर-घर जागरूकता अभियान, होम कोंपोस्टिंग एवं बायो-कोंपोस्ट के प्रति जागरूकता, सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने तथा कपड़े के थैलों के उपयोग को बढ़ावा देने जैसे कार्यक्रम होंगे। साथ ही जीरो-वेस्ट खेल प्रतियोगिताएं तथा नेकी की दीवार एवं आरआरआर संग्रह केंद्रों के माध्यम से पुनः उपयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा। दिनाँक 25 एवं 26 सितम्बर 2026 को जीरो-वेस्ट थीम पर स्काउट गाइड एवं स्कूली बच्चों द्वारा खेल के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया जाएगा। 27 सितम्बर को विरासत एवं पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता अभियान, थीम आधारित ब्रांडिंग तथा यात्रियों को जिम्मेदार पर्यटन एवं नागरिक व्यवहार के प्रति जागरूक किया जाएगा।
दिनाँक 28 एवं 29 सितम्बर 2026 को स्वच्छता से समृद्धि की अवधारणा के तहत कबाड़ से कला एवं अनुपयोगी रेलवे सामग्री से उपयोगी वस्तुएं बनाने की कला को प्रोत्साहित किया जाएगा । साथ ही प्लास्टिक रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने हेतु कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दिनाँक 30 सितम्बर 2026 को सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर आयोजित कर सफाई मित्रों के स्वास्थ्य की जांच, पीपीई किट एवं सुरक्षा सामग्री का वितरण तथा विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं से जोड़ने के लिए सहायता प्रदान की जाएगी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की एंबुलेंस में घरेलू सामान धोने का आरोप, स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

एक सत बुलेटिन ➤ मनेन्द्रगढ़

मनेन्द्रगढ़ में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (ष्टरूह्र) कार्यालय के सामने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की एंबुलेंस में घरेलू उपयोग का सामान रखे जाने और उसे परिवहन किए जाने का वीडियो/दृश्य सामने आने का दावा किया जा रहा है। इस मामले ने स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय स्तर पर यह सवाल उठ रहा है कि जिस एंबुलेंस का उपयोग मरीजों की स्वास्थ्य सुविधा और आपातकालीन सेवाओं के लिए किया जाना चाहिए, उसमें यदि घरेलू सामान रखा या धोया जा रहा है तो इसकी अनुमति किस स्तर से दी गई? वहीं दूसरी ओर, मरीजों और उनके परिजनों द्वारा एंबुलेंस की उपलब्धता तथा स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर शिकायतें किए जाने की बात भी सामने आ रही है।

जनता का कहना है कि एक ओर स्वास्थ्य विभाग में एंबुलेंस और अन्य संसाधनों की आवश्यकता बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर सरकारी संसाधनों के कथित घरेलू उपयोग की तस्वीरें सामने आना चिंता का विषय है।

इसके अलावा स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य केंद्रों में दवाइयों की उपलब्धता को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि अस्पताल में कुछ दवाइयां ही उपलब्ध होती हैं, जबकि अन्य दवाइयों के लिए मरीजों को बाहर मेडिकल स्टोर से दवा खरीदने के लिए कहा जाता है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और विभागीय रिकॉर्ड के आधार पर जांच किया जाना आवश्यक है।

मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर उठ रहे इन सवालों के बीच अब देखने वाली बात होगी कि स्वास्थ्य विभाग इस मामले में क्या स्पष्टीकरण देता है और एंबुलेंस के कथित उपयोग की जांच कर जिम्मेदारी तय की जाती है या नहीं।

क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लगातार उठ रहे सवालों पर स्वास्थ्य मंत्री और जिला प्रशासन का क्या रुख रहता है, यह भी महत्वपूर्ण होगा। सरकारी योजनाओं और स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास के साथ-साथ अस्पतालों में दवाइयों, एंबुलेंस तथा मरीजों को मिलने वाली वास्तविक सुविधाओं की स्थिति पर भी ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

अब सवाल यह है कि सरकारी एंबुलेंस के कथित घरेलू उपयोग की अनुमति किसने दी और इस मामले में विभागीय स्तर पर क्या कार्रवाई की जाएगी?

सेवा संकल्प अभियान : 'आशीर्वाद का दीया' के लिए बिहान दीदियों ने जगाई जन-अलख

रायपुर,शासकीय योजनाएं तब जन-आंदोलन का रूप लेती हैं, जब समाज का हर वर्ग उनमें अपनी सहभागिता निभाता है। बालोद जिले में सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत कुछ ऐसा ही उत्साह देखने को मिल रहा है। अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम को लेकर बिहान स्व-सहायता समूह की दीदियों ने जनजागरूकता की अनूठी मिसाल पेश की है।बालोद विकासखंड की बिहान समूह से जुड़ी महिलाएं गांव-गांव और घर-घर पहुंचीं। उन्होंने ग्रामीणों से स्वेच्छा से मिट्टी के दीये और बाती एकत्र किए और परिवारों को सेवा संकल्प अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। दीदियों के आत्मीय आग्रह से ग्रामीण भी उत्साह के साथ इस पहल से जुड़े और कार्यक्रम में अपनी सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।दीदियों के प्रयास से गांवों में बना उत्सव का माहौल बिहान समूह की श्रीमती विनीता साहू और श्रीमती रवीना साहू ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल दीये एकत्र करना नहीं, बल्कि जनसेवा, सुशासन और जनभागीदारी की भावना को घर-घर तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि दीदियों ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए उन्हें 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' जलाने और सेवा संकल्प अभियान में सहभागी बनने के लिए भी प्रेरित किया।

दीदियों की इस पहल से गांवों में जहां उत्साह का माहौल बना है वहीं ग्रामीणों ने स्वेच्छा से मिट्टी के दीये उपलब्ध कराए और अभियान से जुड़ने की इच्छा जताई। इससे यह संदेश भी सामने आया कि जब महिलाएं जागरूकता की जिम्मेदारी अपने हाथों में लेती हैं, तो ऐसे महत्वपूर्ण अभियानों में जनभागीदारी और अधिक मजबूत होती है।जनजागरूकता में बिहान दीदियों की सशक्त भूमिकाबिहान स्व-सहायता समूह की महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका गतिविधियों के साथ-साथ विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक अभियानों में भी सक्रिय सहभागिता निभा रही हैं। '

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को आयोजित होगा रक्तदान शिविर

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में रक्तदान शिविर का आयोजन 17 सितंबर को दोपहर 3 बजे से मल्टीपरपज हायर सेकेंडरी स्कूल पेंड्रा में किया जाएगा।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने शिविर के सफल आयोजन के लिए आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था, सामग्री, उपकरण एवं स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

विद्यालयों में मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने ईएलसी गठन एवं गतिविधियों के प्रभावी संचालन पर जोर

विद्यालयों में ईएलसी की प्रभावी सक्रियता से जिले में जागरूक मतदाता, सशक्त लोकतंत्र एवं मजबूत निर्वाचन प्रक्रिया की दिशा में महत्वपूर्ण पहल को गति मिलेगी

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशन में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालयों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) के गठन एवं मतदाता जागरूकता गतिविधियों के प्रभावी संचालन को लेकर संकुल स्रोत समन्वयकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक में जिले के तीनों विकासखंडों के विकासखंड शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विद्यालय स्तर पर ईएलसी के गठन, उद्देश्यों एवं गतिविधियों के सफल संचालन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर अम्बुज कुमार मिश्र ने ईएलसी गठन की तकनीकी प्रक्रिया एवं विद्यार्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया से जोड़ने के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। बैठक में क्विज, निबंध लेखन, भाषण, पोस्टर निर्माण, वाद-विवाद, जागरूकता रैली एवं मतदाता शपथ जैसी रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि ईएलसी का उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, निर्वाचन प्रक्रिया एवं मताधिकार के प्रति जागरूकता विकसित कर उन्हें जिम्मेदार भावी मतदाता के रूप में तैयार करना है। विद्यालयों में ईएलसी की प्रभावी सक्रियता से जिले में जागरूक मतदाता, सशक्त लोकतंत्र एवं मजबूत निर्वाचन प्रक्रिया की दिशा में महत्वपूर्ण पहल को गति मिलेगी।

शासकीय योजनाओं से संवरा भविष्य, आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ीं दुर्गेश्वरी धीवर

महतारी वंदन योजना की राशि से खरीदी सिलाई मशीन, घर से शुरू किया स्कूल यूनिफॉर्म सिलाई का काम

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, समर्पण और जनकल्याण के लिए समर्पित रहे हैं। समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयासों का असर आज देश के साथ छत्तीसगढ़ के गांवों में भी दिखाई दे रहा है। शासकीय योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के लिए आर्थिक संबल बनने के साथ उन्हें आत्मनिर्भरता की नई राह भी दिखा रही हैं।

दुर्ग जिले के ग्राम भरर की निवासी श्रीमती दुर्गेश्वरी धीवर के जीवन में महतारी वंदन योजना ऐसी ही उम्मीद लेकर आई। छोटे बच्चों की परवरिश और घर की जिम्मेदारियों के कारण उनके लिए घर से बाहर जाकर मजदूरी या कोई अन्य काम करना संभव नहीं था। परिवार का सहारा बनने और अपनी आय का साधन शुरू करने की इच्छा थी, लेकिन संसाधनों की कमी रास्ते में बाधा बनी हुई थी।

मार्च 2024 में महतारी वंदन योजना की शुरुआत के बाद उन्हें नियमित आर्थिक सहायता मिलने लगी। दुर्गेश्वरी ने इस राशि को घरेलू खर्च में समाप्त करने के बजाय भविष्य संवारने के लिए बचत करने का निर्णय लिया। उन्होंने हर महीने मिलने वाली राशि में से थोड़ी-थोड़ी बचत की और इसी बचत से सिलाई मशीन खरीदी। इसके बाद घर से ही सिलाई का काम शुरू कर दिया।

आज दुर्गेश्वरी अपने गांव और आसपास के क्षेत्रों से स्कूल यूनिफॉर्म सिलाई के ऑर्डर ले रही हैं। घर की जिम्मेदारियों के साथ वे अपने काम को आगे बढ़ा रही हैं और इससे परिवार की जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक सहयोग दे रही हैं। कभी परिस्थितियों के कारण घर तक सीमित रहने वाली दुर्गेश्वरी अब अपने हुनर और मेहनत के दम पर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं।

दुर्गेश्वरी कहती हैं कि मेरे बच्चे छोटे थे, इसलिए मैं काम करने बाहर नहीं जा सकती थी। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि ने मुझे घर बैठे अपने पैरों पर खड़े होने का रास्ता दिखाया।

रेल मदद से यात्रियों को समय पर मिली चिकित्सीय सहायता

रायपुर रेल मंडल की त्वरित कार्रवाई से ट्रेन में यात्रियों को दवा, एंबुलेंस एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं सहायता के लिए 'रेल मदद' सेवा के माध्यम से प्राप्त चिकित्सा संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए यात्रियों को आवश्यक चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। 01 जनवरी से सितम्बर 2026 के दौरान 1139 मामलों में रेल मदद टीम ने यात्रियों की समस्या पर तत्काल संज्ञान लेकर संबंधित स्वास्थ्य इकाइयों एवं रेलवे अधिकारियों के समन्वय से सहायता उपलब्ध कराई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का रायपुर रेल मंडल का वाणिज्य कंट्रोल में संचालित रेलमदद टीम यात्रियों की स्वास्थ्य सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेलमदद (ऋड्डद्बद्यरूड्डस्रड्डस्र) प्लेटफॉर्म के माध्यम से चौबीसों घंटे त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध करा रहा है। यात्रा के दौरान किसी भी यात्री की तबीयत खराब होने अथवा चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता होने पर रेलमदद के माध्यम से सूचना प्राप्त होते ही रेलवे के वाणिज्य एवं चिकित्सा विभाग एवं स्टेशन प्रबंधन की टीम समन्वित रूप से सक्रिय होकर संबंधित स्टेशन पर डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, आवश्यक दवाइयों तथा अन्य जरूरी चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करती है।

रेलमदद केवल शिकायत निवारण का माध्यम ही नहीं, बल्कि यात्रियों के लिए एक संवेदनशील एवं जीवनरक्षक सहायता प्रणाली के रूप में भी कार्य कर रही है। रायपुर रेल मंडल द्वारा उपलब्ध कराई गई चिकित्सा सहायता के दौरान अनेक ऐसे अवसर आए, जब समय पर की गई कार्रवाई ने यात्रियों एवं उनके परिजनों को बड़ी राहत प्रदान की है । सहायता प्राप्त करने वाले अनेक यात्रियों एवं उनके परिजनों ने रेलमदद प्लेटफॉर्म पर सकारात्मक प्रतिक्रिया (एसिलेंट फीड बैक) दर्ज करते हुए रेलवे कर्मचारियों की संवेदनशीलता, तत्परता एवं मानवीय दृष्टिकोण की सराहना की।

ट्रेन में यात्री को दवा उपलब्ध कराई:-

19 जुलाई को ट्रेन संख्या 17007 में यात्रा कर रही एक महिला यात्री को लूज मोशन की शिकायत होने पर दवा की आवश्यकता थी। रेल मदद स्टाफ द्वारा तत्काल संपर्क कर दुर्ग स्टेशन पर दवा की व्यवस्था कराई गई। यात्री द्वारा सहायता प्राप्त होने की पुष्टि की गई।

इसी प्रकार 23 जुलाई को ट्रेन संख्या 20845 में यात्रा कर रहे यात्री के सहयात्री को सिरदर्द, हल्का बुखार एवं सर्दी की शिकायत थी। रेल मदद के माध्यम से मामले की जानकारी रायपुर हेल्थ केयर यूनिट को दी गई और रायपुर स्टेशन पर यात्री को आवश्यक दवा उपलब्ध कराई गई।

गंभीर स्थिति में एंबुलेंस की व्यवस्था:-

30 जुलाई को ट्रेन संख्या 22358 में यात्रा कर रहे एक दिव्यांग यात्री को लकवे एवं शरीर में सुन्नपन की शिकायत होने पर तत्काल चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता थी। यात्री के दुर्ग स्टेशन पर उतरने की व्यवस्था करते हुए रेल मदद टीम ने संबंधित अधिकारियों को सूचना दी। दुर्ग स्टेशन पर एंबुलेंस की व्यवस्था कर यात्री को जिला अस्पताल भेजा गया।

3 अगस्त को ट्रेन संख्या 12854 अमरकंटक एक्सप्रेस में यात्रा कर रही एक महिला यात्री को तेज पेट दर्द की शिकायत हुई और रायपुर स्टेशन पर एंबुलेंस की आवश्यकता बताई गई। रेल मदद टीम द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं चिकित्सा इकाई को सूचना देकर रायपुर स्टेशन पर एंबुलेंस उपलब्ध कराई गई तथा यात्री को आगे के उपचार के लिए शासकीय अस्पताल भेजा गया।

जरूरतमंद यात्रियों को तत्काल चिकित्सा सहायता:-

19 अगस्त को ट्रेन संख्या 12146 पुरी-एलटीटी साप्ताहिक एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे यात्री को टिटनेस इंजेक्शन अथवा आवश्यक दवा की जरूरत होने की सूचना रेल मदद के माध्यम से प्राप्त हुई। मामले को तत्काल रायपुर हेल्थ केयर यूनिट तक पहुंचाया गया और यात्री को आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। 27 अगस्त को ट्रेन संख्या 12252 वैनगंगा सुपरफास्ट एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे यात्री द्वारा सैनिटरी पैड की आवश्यकता बताई गई। रेल मदद टीम ने तत्काल संबंधित चिकित्सा अधिकारी को सूचना दी और यात्री को सैनिटरी पैड उपलब्ध कराया गया।

10 सितम्बर को ट्रेन संख्या 20861 पुरी-अहमदाबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे दो वर्षीय बच्चे को बुखार होने पर दवा एवं चिकित्सा सहायता की आवश्यकता थी। रेल मदद टीम ने मामले की सूचना रायपुर हेल्थ केयर हब को दी। रायपुर रेलवे स्टेशन पर बच्चे की जांच कर आवश्यक दवा उपलब्ध कराई गई। इन मामलों में यात्रियों एवं उनके परिजनों द्वारा रेल मदद की त्वरित कार्रवाई एवं सहायता की सराहना की गई। कई यात्रियों ने अपनी प्रतिक्रिया में सहायता को तेज एवं संतोषजनक बताया। रायपुर रेल मंडल द्वारा यात्रियों से अपील की गई है कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की चिकित्सा अथवा अन्य आवश्यक सहायता की जरूरत होने पर रेल मदद सेवा रेलवे हेल्पलाइन 139 का उपयोग करें। सूचना प्राप्त होते ही रेलवे के वाणिज्य एवं संबंधित विभागों के समन्वय से एवं स्टेशन प्रबंधन की टीम समन्वित रूप से सक्रिय होकर संबंधित स्टेशन पर यथाशीघ्र सहायता उपलब्ध कराई जाती है

सेवा संकल्प अभियान 2026: नागपुर स्वास्थ्य शिविर में उमड़ी मरीजों की भीड़, 546 लोगों ने उठाया निःशुल्क विशेषज्ञ चिकित्सा का लाभ

स्थानीय नागरिकों ने इस अभियान को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक मील का पत्थर बताया है

एक सत बुलेटिन ➤ नागपुर

सशक्त हर गांव, हर घर, हर व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं÷ की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से संचालित सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत 16 सितंबर 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्ट्राष्ट) नागपुर में विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के कुल 546 मरीजों की जांच कर उन्हें निःशुल्क परामर्श एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं।

जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक प्रयासों की सराहना

इस दूरदर्शी और जन कल्याणकारी अभियान के सफल संचालन के लिए छत्तीसगढ़ शासन के माननीय मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल जी के मार्गदर्शन और क्षेत्रीय विधायक श्रीमती रेणुका सिंह जी के विजन की क्षेत्रवासियों ने खुले दिल से प्रशंसा की। शिविर के दौरान पूर्व विधायक श्रीमती चंपा देवी पावले, जिला भाजपा

उपाध्यक्ष यमुना पटेल, सरपंच ललन सिंह और मंडल अध्यक्ष मुनीम सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। जनप्रतिनिधियों ने शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की सराहना की। स्वास्थ्य विभाग की इस शानदार पहल और कुशल प्रबंधन के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (ष्टरूद्ब) डॉ. अविनाश खरे तथा उनकी पूरी मेडिकल टीम की निष्ठा और सेवा भावना की सर्वत्र सराहना की जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने इस अभियान को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक मील का पत्थर बताया है।

न्यूज इन शॉर्ट

सेवा संकल्प अभियान- सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 17 सितंबर को लगेगा विशाल रक्तदान शिविर, कलेक्टर ने की अपील

सारंगढ़-बिलाईगढ़ । सेवा संकल्प अभियान के तहत सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में जन-स्वास्थ्य एवं सामाजिक सरोकार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के निर्देशानुसार और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुष्पेंद्र वैष्णव के मार्गदर्शन में यह विशेष अभियान जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में संचालित किया जाएगा। इस कड़ी में मुख्य आयोजन 17 सितंबर 2026 को जिला चिकित्सालय सारंगढ़, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ और बरमकेल में प्रात: 10-00 बजे से शाम 5-00 बजे तक आयोजित होगा, जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

?मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुष्पेंद्र वैष्णव ने बताया कि %रक्तदान करें - जीवन बचाएं% और %सुरक्षित रक्त, सुरक्षित जीवन% के संदेश के साथ आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन स्थितियों और गंभीर मरीजों के लिए समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक छोटा सा रक्तदान किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति की जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकता है और उसे नया जीवन दे सकता है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने जिले के युवाओं, समाजसेवियों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे 17 सितंबर को अधिक से अधिक संख्या में जिला चिकित्सालय पहुँचकर इस पुण्य कार्य से जुड़ें और रक्तदान कर मानवता की सेवा में अपना अमूल्य योगदान दें।

दरभगुड़ा में वन संसाधन प्रबंधन समिति ने किया फलदार एवं बांस के पौधों का रोपण

सुकमा - पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीणों की आजीविका को मजबूत करने की दिशा में वन विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दरभगुड़ा गांव में वन संसाधन प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से आम, कटहल और बांस के पौधों का रोपण किया। पौधरोपण के जरिए गांव में हरियाली बढ़ाने के साथ आने वाले समय में फलदार पौधों से ग्रामीणों को लाभ पहुंचाने की पहल की जा रही है। डीएफओ अक्षय दिनकर भोंसले के निर्देशन में वन विभाग द्वारा गांवों में गठित वन संसाधन प्रबंधन समितियों को फलदार पौधों का वितरण किया जा रहा है। इसका उद्देश्य ग्रामीणों की भागीदारी से पौधरोपण को बढ़ावा देना, वन संसाधनों का संरक्षण करना और स्थानीय स्तर पर हरित क्षेत्र का विस्तार करना है। दरभगुड़ा में समिति के सदस्यों ने पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण और देखभाल की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। आम और कटहल जैसे फलदार पौधे भविष्य में ग्रामीण परिवारों के लिए उपयोगी होने के साथ अतिरिक्त आय का जरिया भी बन सकते हैं, जबकि बांस का पौधा स्थानीय जरूरतों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। पौधरोपण में वन संसाधन प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सोन्दे लच्छा, कोषाध्यक्ष सोयम नोरेया और सचिव सोयम राजू सहित सदस्य कटतम भीमा, माड़वी कोसा, सोयम अनिल, मुचाकी कोसा, बाडसे हिरमा, सोयम कन्ना, सोयम मल्ले, कारम अजय, कारम एंका, सोयम मूत्ता और अडगे प्रसाद की सहभागिता रही।

वन विभाग की यह पहल ग्रामीणों को वन संरक्षण से

मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अस्पताल परिसर में शेड और आरओ वाटर की व्यवस्था

जीवनदीप की बैठक में स्थानीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री के निर्देश का असर, 220 बिस्तर अस्पताल में मरीजों को मिली राहत

एक सत बुलेटिन ➤ मनेंद्रगढ़

मनेंद्रगढ़ के 220 बिस्तर सिविल अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचने वाले मरीजों और उनके परिजनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अस्पताल परिसर में सुविधाओं के विस्तार की दिशा में पहल की गई है। स्थानीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री के निर्देश पर अस्पताल के सामने परिसर में तत्काल शेड निर्माण तथा मरीजों के लिए शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था कराने के निर्देश दिए गए थे।

इसी क्रम में अस्पताल प्रबंधन द्वारा मरीजों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए अस्पताल परिसर में शेड का निर्माण कराया गया है। इसके साथ ही मरीजों एवं उनके परिजनों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए आरओ वाटर सिस्टम भी स्थापित किया गया है।

धूप और बारिश से मिलेगी राहत

अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार एवं जांच के लिए पहुंचते हैं। मरीजों की संख्या अधिक होने

के कारण कई बार उन्हें अस्पताल के बाहर अथवा परिसर में अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता था। ऐसे में शेड निर्माण होने से मरीजों और उनके परिजनों को धूप एवं बारिश से राहत मिलेगी और उन्हें इंतजार के दौरान बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। वहीं आरओ वाटर की व्यवस्था से अस्पताल आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को पीने के लिए शुद्ध पानी उपलब्ध होगा। अस्पताल प्रबंधन की इस पहल को मरीजों की मूलभूत सुविधाओं से जोड़कर देखा जा रहा है। जीवनदीप की बैठक में उठे मुद्दे पर त्वरित पहल बताया गया कि अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या और उन्हें होने वाली असुविधा को लेकर जीवनदीप की बैठक में चर्चा हुई थी। बैठक में स्थानीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री ने मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अस्पताल परिसर में तत्काल शेड निर्माण और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। निर्देश के बाद अस्पताल प्रबंधन ने तत्परता दिखाते हुए

भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा 11 सूत्रीय मांग पत्र, भटगांव तहसील में दिया ज्ञापन

भटगांव /बिलाईगढ़। भारतीय किसान संघ, छत्तीसगढ़ प्रदेश के आह्वान पर आज दिनांक 16/09/2026 को भारतीय किसान संघ नगर भटगांव, जिला - सारंगढ़-बिलाईगढ़ की इकाई ने प्रदेश के किसानों की प्रमुख समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा है.

ज्ञापन द्वारा शासन से मांग किया गया है कि गाय और किसान छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान ही नहीं, बल्कि देश के भविष्य की पूंजी हैं। कृषि प्रधान राज्य होने के बावजूद किसानों को उपज का सही दाम नहीं मिल रहा है और रासायनिक खेती को बढ़ावा देने से गौ आधारित खेती खत्म हो रही है।

संघ की 11 प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं -

1. संघ द्वारा प्रस्तावित गौवर्धन योजना को प्रदेश में लागू किया जाए एवं जी-राम-जी योजना को भी गौ संरक्षण से जोड़ा जाए।
2. धान खरीदी की 2022-23 की रूकी हुई 1700 करोड़ की राशि किसानों को तत्काल दी जाए।
3. केन्द्र द्वारा समर्थन मूल्य बढ़ाया गया पर राज्य ने 3 साल से खरीदी मूल्य नहीं बढ़ाया। कृषक उन्नति योजना के तहत प्रति एकड़ 800 रुपये की राशि को समर्थन मूल्य में जोड़ कर ही दिया जाए। सब्जी व फल उत्पादक किसानों को भी इस योजना में जोड़ा जाए।
4. धान खरीदी 15 नवंबर से 15 फरवरी तक की जाए और नमी के नाम पर प्रताड़ना रोकने के लिए प्रति तौल अधिकतम 40 किलो 700 ग्राम लेने का आदेश जारी किया जाए।
5. एग्रीस्टेक में खातेदारों के पंजीयन में आ रही दिक्कतों को देखते हुए सभी

लाखों 'आशीर्वाद के दीयों' से जगमगाएगा सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला

17 सितंबर को शाम 7 बजे खाड़ाबांध तालाब में होगा मुख्य जिला स्तरीय आयोजन, 51 हजार से अधिक दीपों का होगा प्रज्वलन

कलेक्टर ने पत्रकारवार्ता में दी सेवा संकल्प अभियान की विस्तृत जानकारी

संवाददाता ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़,

कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू ने आज पत्रकारवार्ता आयोजित कर राज्य शासन द्वारा संचालित सेवा संकल्प अभियान की जिले में होने वाली गतिविधियों एवं तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक जिले में सेवा संकल्प अभियान का

आयोजन किया जाएगा। पत्रकारवार्ता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ऋषिकेश तिवारी, जनसंपर्क अधिकारी श्री डड़सेना, सहित प्रिंट, इलेक्ट्रानिक, वेबपोर्टल एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के प्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित थे। कलेक्टर ने बताया कि एक माह तक चलने वाले इस अभियान के माध्यम से सेवा, सुशासन, जनभागीदारी, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान के प्रथम दिवस 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के तहत जिलेभर में 5 लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए जाएंगे।

खाड़ाबांध तालाब में 51 हजार से अधिक दीपों से रोशन होगा मुख्य आयोजन 'आशीर्वाद का दीया' का मुख्य जिला स्तरीय कार्यक्रम 17 सितंबर को शाम 7 बजे सारंगढ़ के खाड़ाबांध तालाब में आयोजित होगा। यहां 51 हजार से अधिक दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। साथ ही तालाब में 10 हजार से अधिक आटे के दीपों का प्रवाह किया जाएगा। कलेक्टर ने बताया कि मुख्य आयोजन को व्यापक जनभागीदारी से जोड़ते हुए जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला स्व-सहायता समूहों, युवाओं एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। खाड़ाबांध तालाब में दीपों की रोशनी के माध्यम से सेवा, समर्पण, जनभागीदारी और विकसित भारत के सामूहिक संकल्प का संदेश दिया जाएगा।

भैयाथान क्षेत्र में 34 करोड़ से अधिक के सड़क विकास कार्यों की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने दी सौगात

बेहतर सड़कें ग्रामीण विकास की मजबूत नींव, गुणवत्तापूर्ण निर्माण से बढ़ेंगे विकास के अवसर - मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े

संवाददाता ➤ रायपुर

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने भैयाथान क्षेत्रवासियों को सड़क विकास की बड़ी सौगात देते हुए 34 करोड़ 15 लाख रुपये से अधिक की लागत वाले दो महत्वपूर्ण सड़क निर्माण एवं उन्नयन कार्यों का कार्यप्रारम्भ पूजन किया। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अन्य आवश्यक सेवाओं तक लोगों की पहुंच बेहतर होगी तथा क्षेत्र में विकास की गति को नई दिशा मिलेगी।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सड़कें विकास की जीवन रेखा हैं। मजबूत और बेहतर सड़क नेटवर्क से गांवों की कनेक्टिविटी बढ़ती है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। सरकार का प्रयास है कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना पहुंचे और लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधाएं मिलें। उन्होंने कहा कि इन सड़क परियोजनाओं का लाभ किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों सहित आम नागरिकों को मिलेगा।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुए उन्होंने कहा कि मजबूत और टिकाऊ अधोसंरचना ही विकास कार्यों का स्थायी लाभ लोगों तक पहुंचा सकती है।

राष्ट्रीय राजमार्ग-43 से केंवरा तक 18 किलोमीटर सड़क का होगा चौड़ीकरण

कार्यप्रारम्भ पूजन किए गए प्रमुख कार्यों में डुमरिया राष्ट्रीय राजमार्ग-43 से केंवरा मार्ग का चौड़ीकरण एवं उन्नयन शामिल है। लगभग 30.41 करोड़ रुपये की लागत से 18 किलोमीटर लंबे मार्ग का चौड़ीकरण किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत बिटुमिनस कंक्रीट एवं शोल्डर कार्य के साथ 6,570 मीटर नाली, 300 मीटर टो-वॉल, 140 मीटर रिटेनिंग वॉल, 8 एचपीसी तथा 7 स्लैब पुलियों का निर्माण किया जाएगा। सड़क के उन्नयन से राष्ट्रीय राजमार्ग-43 से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी और आवागमन सुविधा बेहतर होगी।

दर्रीपारा-दनौली मार्ग से झम्मनपारा को मिलेगी बेहतर कनेक्टिविटी

इसी क्रम में झम्मनपारा में दर्रीपारा से दनौली तक 3.20 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य का भी कार्यप्रारम्भ पूजन किया गया। इस कार्य के लिए 374.76 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। परियोजना में 3.20 किलोमीटर सड़क, 0.90 किलोमीटर सीसी रोड, 1,200 मीटर नाली, 90 मीटर रिटेनिंग वॉल तथा 6 एचपीसी पुलियों का निर्माण किया जाएगा। इससे स्थानीय ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलने के साथ क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने क्षेत्रवासियों से सेवा संकल्प अभियान से सक्रिय रूप से जुड़ने की अपील की। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस अभियान का उद्देश्य सेवा, जनभागीदारी और जनकल्याण की भावना को मजबूत करना है।

पहल में प्रदेश के प्रत्येक परिवार की सहभागिता महत्वपूर्ण है।

सेवा संकल्प अभियान में हर घर जलेगा 'आशीर्वाद का दीया', सेवा और समर्पण के संकल्प से जगमगाएगा छत्तीसगढ़

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल का प्रदेशवासियों से आह्वान, 17 सितंबर की शाम 7 बजे अपने घर में दीप प्रज्वलित कर सेवा, आभार और सकारात्मकता का दें संदेश

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को शाम 7 बजे 'आशीर्वाद का दीया' पहल के माध्यम से प्रदेशभर में सामूहिक दीप प्रज्वलन किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने छत्तीसगढ़वासियों से आह्वान किया है कि वे 17 सितंबर की शाम 7 बजे अपने घर में 'आशीर्वाद का दीया' अवश्य

जलाएं और सेवा, समर्पण, आभार एवं सकारात्मकता के इस सामूहिक संकल्प का हिस्सा बनें। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि दीप भारतीय संस्कृति में केवल प्रकाश का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह आशा, सद्भाव, सकारात्मकता और सेवा की भावना का भी प्रतीक है। 'आशीर्वाद का दीया' के माध्यम से हम अपने परिवार और समाज में सेवा की भावना को और मजबूत करने का संकल्प ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर की शाम जब प्रदेश के घर-घर में एक साथ दीप प्रज्वलित होंगे, तब यह दृश्य जनभागीदारी की शक्ति और सामूहिक संकल्प की भावना का संदेश देगा।उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि 'आशीर्वाद का दीया' को केवल दीप जलाने की पहल तक सीमित न रखें, बल्कि इसे किसी जरूरतमंद की सहायता, बुजुर्गों के सम्मान, बच्चों के प्रति संवेदनशीलता, पर्यावरण संरक्षण अथवा समाज के लिए किए जाने वाले किसी सकारात्मक योगदान के संकल्प से जोड़ें। उन्होंने कहा कि सेवा के लिए बड़े साधनों की नहीं, बल्कि संवेदनशील मन और सहयोग की भावना की आवश्यकता होती है।

सेवा और समर्पण के 25 वर्ष, जनभागीदारी का नया संकल्प

'सेवा संकल्प अभियान' प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में सेवा, जनभागीदारी और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी विभिन्न पहलें आयोजित की जाएंगी।अभियान का उद्देश्य सेवा और समर्पण की भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना तथा नागरिकों को अपनी क्षमता और रुचि के अनुसार जनकल्याण के कार्यों में सहभागी बनाना है। 'आशीर्वाद का दीया' इसी व्यापक भावना की शुरुआत का प्रतीक बनेगा।

घर-घर का दीप बनेगा सेवा और सकारात्मकता का संदेश

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि एक दीपक का प्रकाश भले ही छोटा हो, लेकिन जब लाखों दीप एक साथ प्रज्वलित होते हैं तो वह सामूहिक ऊर्जा और एकता का बड़ा संदेश बन जाता है। इसी भावना के साथ 'आशीर्वाद का दीया' पहल में प्रदेश के प्रत्येक परिवार की सहभागिता महत्वपूर्ण है।

न्यूज इन शॉर्ट

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को आयोजित होगा रक्तदान शिविर

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में रक्तदान शिविर का आयोजन 17 सितंबर को दोपहर 3 बजे से मल्टीपरपज हायर सेकेंडरी स्कूल पेंड्रा में किया जाएगा।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने शिविर के सफल आयोजन के लिए आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था, सामग्री, उपकरण एवं स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कांकेर में नाबालिग से दुष्कर्म का मामला, 4 आरोपी गिरफ्तार

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दो युवक नाबालिग को घूमने के बहाने अपने साथ ले गए थे और बाद में कोरर क्षेत्र के जंगल में अन्य साथियों के साथ वारदात को अंजाम देने का आरोप है। मामला कांकेर कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू की और नाबालिग को तलाश कर बरामद किया। फिलहाल मामले में आगे की जांच जारी है। छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग में बड़ा फेरबदल, 167 अधिकारी-कर्मचारियों के तबादले ज़्यादा जानें भारत समाचार पत्रिका स्?थानीय समाचार धर्म अध्यात्म सामग्री घर से निकली थी नाबालिग जानकारी के अनुसार, नाबालिग रात करीब 9 बजे घर से निकली थी। काफी देर तक उसके वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने चिंता जताई और पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही कांकेर कोतवाली पुलिस सक्रिय हुई और नाबालिग की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने संभावित स्थानों पर जांच करते हुए जानकारी जुटाई। कोरर क्षेत्र के जंगल से मिली नाबालिग जांच के दौरान पुलिस को नाबालिग कांकेर से करीब 30 किलोमीटर दूर कोरर क्षेत्र के जंगल में मिली। पुलिस ने उसे सुरक्षित बरामद कर प्रारंभिक पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में नाबालिग ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। द्यह्यश्च ऋद्धड्डस्र - लव ट्रायंगल में 16 साल के किशोर की हत्या, पुलिस ने 24 घंटे में खोला राज बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दो युवक नाबालिग को घूमने के बहाने अपने साथ लेकर गए थे। इसके बाद उसे कोरर क्षेत्र के जंगल में ले जाया गया, जहां अन्य युवकों के साथ मिलकर अपराध करने का आरोप है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस कर रही मामले की जांच पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मामले में साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग में बड़ा फेरबदल, 167 अधिकारी-कर्मचारियों के तबादले

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आबकारी विभाग में बुधवार को बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। विभाग ने जिला आबकारी अधिकारियों से लेकर सहायक ग्रेड-3 स्तर तक के कुल 167 अधिकारी-कर्मचारियों के तबादले की सूची जारी की है। इस संबंध में आबकारी के वाणिज्यिक कर विभाग की ओर से आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, विभाग में पदस्थ विभिन्न स्तर के अधिकारियों और कर्मचारियों को नई जगहों पर पदस्थ किया गया है। सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को नई पदस्थापना के अनुसार कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

कई स्तरों के अधिकारियों का हुआ स्थानांतरण तबादला सूची में आबकारी विभाग के अलग-अलग पदों पर कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों के नाम शामिल हैं। इसमें जिला आबकारी अधिकारियों (ष्ठश्वह्र), सहायक जिला आबकारी अधिकारियों (ष्ठश्वह्र), आबकारी उप निरीक्षक, आरक्षक सहित अन्य कर्मचारियों का स्थानांतरण किया गया है। विभागीय आदेश के मुताबिक, इस फेरबदल का उद्देश्य

नवा रायपुर में जुटेंगे देशभर के निर्वाचन आयुक्त, लोकतंत्र पर होगा मंथन

एक सत बुलेटिन > रायपुर

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर अटल नगर में 16 और 17 सितंबर को 32वें अखिल भारतीय राज्य निर्वाचन आयुक्त सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका करेंगे। सम्मेलन का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से किया जा रहा है। इस आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों के राज्य निर्वाचन आयुक्त शामिल होंगे और स्थानीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन में पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और सहभागी बनाने के उपायों पर चर्चा होगी। द्यह्यश्च ऋद्धड्डस्र - योजनाओं के क्रियान्वयन में संवेदनशीलता और जवाबदेह जरूरी- नेहरू राम निषाद छत्तीसगढ़ को मिली सम्मेलन की मेजबानी छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने बताया कि अखिल भारतीय राज्य निर्वाचन आयुक्त सम्मेलन का आयोजन देश के अलग-अलग राज्यों में प्रतिवर्ष किया जाता है। इससे पहले वर्ष 2014 में भी छत्तीसगढ़ इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी कर चुका है। उन्होंने बताया कि इस बार भी सम्मेलन के माध्यम से देशभर के निर्वाचन विशेषज्ञ और अधिकारी एक मंच पर आएंगे। इसमें स्थानीय स्तर पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने और चुनाव प्रक्रिया को बेहतर बनाने से जुड़े अनुभव साझा किए जाएंगे। द्यह्यश्च ऋद्धड्डस्र - कांकेर में नाबालिग से दुष्कर्म का मामला, 4 आरोपी गिरफ्तार पंचायत और निकाय चुनाव व्यवस्था पर होगी चर्चा सम्मेलन में त्रिस्तरीय पंचायतों और नगरीय निकायों से जुड़े निर्वाचन विषयों पर विशेष चर्चा होगी। इसमें चुनाव प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समावेशी बनाने के लिए नए विचारों और तकनीकी उपायों पर मंथन किया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, स्थानीय लोकतंत्र देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। ऐसे में पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों की प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए राज्यों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान जरूरी है। द्यह्यश्च ऋद्धड्डस्र - छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग में बड़ा फेरबदल, 167 अधिकारी-कर्मचारियों के तबादले अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ भी होंगे शामिल इस सम्मेलन में लोकतांत्रिक निर्वाचन व्यवस्था से जुड़े अंतरराष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञ भी हिस्सा लेंगे। प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी, न्यू जर्सी, अमेरिका के विशेषज्ञ सम्मेलन में निर्वाचन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार और अनुभव साझा करेंगे। इससे सम्मेलन में वैश्विक स्तर पर अपनाई जा रही चुनावी प्रक्रियाओं और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा का अवसर मिलेगा। ईवीएम तकनीक पर विशेषज्ञ देंगे जानकारी द्यह्यश्च ऋद्धड्डस्र - लव ट्रायंगल में 16 साल के किशोर की हत्या, पुलिस ने 24 घंटे में खोला राज सम्मेलन में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से जुड़े तकनीकी विषयों पर भी विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड हैदराबाद और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड बेंगलुरु के विशेषज्ञ इसमें शामिल होंगे।

कवर्धा मेडिकल कॉलेज के पहले बैच ने डिप्टी सीएम शर्मा ने किया

एक सत बुलेटिन > कवर्धा

कबीरधाम जिले के मेडिकल कॉलेज में गुरुवार को ऐतिहासिक प्रथम बैच के प्रथम दिवस के अवसर पर विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबह करीब 10 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों से संवाद किया और उनके अनुभव, अपेक्षाओं तथा चिकित्सा शिक्षा से जुड़े विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम में कबीरधाम कलेक्टर तुलिका प्रजापति, मेडिकल कॉलेज की डीन सहित कॉलेज का अन्य शैक्षणिक एवं प्रशासनिक स्टाफ मौजूद रहा।

मेडिकल कॉलेज में प्रथम बैच के विद्यार्थियों के आगमन को संस्थान के लिए महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। इसी अवसर पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विद्यार्थियों से सीधे बातचीत करते हुए उनके विचार जाने। उन्होंने विद्यार्थियों से मेडिकल कॉलेज में अध्ययन के अनुभव, उपलब्ध सुविधाओं तथा शिक्षा के दौरान उनकी अपेक्षाओं के बारे में जानकारी ली। विद्यार्थियों ने भी संवाद के दौरान अपनी बात रखी और कॉलेज से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

कार्यक्रम के दौरान मेडिकल कॉलेज के वातावरण में विद्यार्थियों में उत्साह नजर आया। प्रथम बैच के विद्यार्थियों के लिए यह अवसर इसलिए भी विशेष रहा कि उन्हें प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री के साथ सीधे संवाद करने का अवसर मिला। संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय की दिशा में भी चर्चा हुई।कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने भी कार्यक्रम में उपस्थित रहकर मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं और शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़े विषयों की जानकारी ली। मेडिकल कॉलेज की डीन तथा अन्य स्टाफ ने कार्यक्रम के आयोजन और विद्यार्थियों से संबंधित व्यवस्थाओं में सहभागिता निभाई।कबीरधाम मेडिकल कॉलेज के प्रथम बैच की शुरुआत जिले में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखी जा रही है।

आबकारी विभाग में बड़ा फेरबदल, 165 अधिकारी-कर्मचारियों का ट्रांसफर

रायपुर । छत्तीसगढ़ के आबकारी विभाग में बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। विभाग ने एक साथ 165 अधिकारी-कर्मचारियों की पदस्थापना में बदलाव करते हुए तबादला आदेश जारी किया है। नई सूची में जिला आबकारी अधिकारियों से लेकर आबकारी उप निरीक्षक, कांस्टेबल, क्लर्क, ड्राइवर और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों तक के नाम शामिल हैं।

12 जिला आबकारी अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

जारी तबादला सूची के मुताबिक प्रदेश के 12 जिला आबकारी अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। इसके अलावा 31 सहायक जिला आबकारी अधिकारियों और 57 आबकारी उप निरीक्षकों को भी नई जगह पदस्थ किया गया है।विभागीय स्तर पर किए गए इस व्यापक फेरबदल में मैदानी अमले के साथ-साथ कार्यालयीन कर्मचारियों को भी नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

आदेश के अनुसार 39 हेड कांस्टेबल एवं कांस्टेबल के कार्यस्थल में बदलाव किया गया है। वहीं 12 क्लर्क तथा 14 ड्राइवर और चपरासियों को भी नई पदस्थापना दी गई है।

इस तरह विभाग की ओर से जारी आदेश में अलग-अलग श्रेणियों के कुल 165 अधिकारी-कर्मचारियों के तबादले किए गए हैं।तबादला आदेश जारी होने के बाद संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को आदेशानुसार अपनी नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करना होगा।

कोरिया – 'आशीर्वाद का दीया' में जिलेवासी निभाएं सहभागिता- विधायक श्री भईया लाल राजवाड़े

कोरिया –'आशीर्वाद का दीया' में जिलेवासी निभाएं सहभागिता- विधायक श्री भईया लाल राजवाड़े

कोरिया 16 सितम्बर 2026

सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम को लेकर बैकुंठपुर विधायक श्री भईया लाल राजवाड़े ने क्षेत्र एवं जिलेवासियों से सक्रिय सहभागिता की अपील की है।

विधायक श्री राजवाड़े ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि 17 सितंबर को शाम 7 बजे अपने घर, प्रतिष्ठान, कार्यालय एवं संस्थान में एक दीया अवश्य प्रज्वलित करें और इस सामूहिक दीप प्रज्वलन कार्यक्रम का हिस्सा बनें।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 20 सितंबर को विशेष मेगा स्वास्थ्य शिविर

एक सत बुलेटिन > गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले के नागरिकों को बेहतर एवं विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 20 सितंबर को जिला चिकित्सालय में सुबह 10 से शाम 4 बज तक विशेष मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर सहित विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रमेश्वर शर्मा के निर्देशन में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों सहित अधिक से अधिक नागरिकों को एक ही स्थान पर विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का लाभ पहुंचाना है। शिविर में अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा हृदय रोग, किडनी रोग, मेडिसिन एवं नेत्र रोग सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया जाएगा। आवश्यकता अनुसार मरीजों को आगे की जांच एवं उपचार के लिए उचित चिकित्सकीय मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे स्वयं तथा अपने परिवार के सदस्यों, बुजुर्गों एवं बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए शिविर में उपस्थित होकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से निःशुल्क परामर्श एवं जांच का लाभ उठाएं। समय पर स्वास्थ्य जांच से गंभीर बीमारियों की पहचान एवं उपचार में सहायता मिल सकती है।

विद्यालयों में मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने ईएलसी गठन एवं गतिविधियों के प्रभावी संचालन पर जोर

एक सत बुलेटिन > रगौरेला-पेंड्रा-मरवाही

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशन में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालयों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) के गठन एवं मतदाता जागरूकता गतिविधियों के प्रभावी संचालन को लेकर संकुल स्रोत समन्वयकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक में जिले के तीनों विकासखंडों के विकासखंड शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विद्यालय स्तर पर ईएलसी के गठन, उद्देश्यों एवं गतिविधियों के सफल संचालन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर अम्बुज कुमार मिश्र ने ईएलसी गठन की तकनीकी प्रक्रिया एवं विद्यार्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया से जोड़ने के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। बैठक में क्विज, निबंध लेखन, भाषण, पोस्टर निर्माण, वाद-विवाद, जागरूकता रैली एवं मतदाता शपथ जैसी रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि ईएलसी का उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, निर्वाचन प्रक्रिया एवं मताधिकार के प्रति जागरूकता विकसित कर उन्हें जिम्मेदार भावी मतदाता के रूप में तैयार करना है। विद्यालयों में ईएलसी की प्रभावी सक्रियता से जिले में जागरूक मतदाता, सशक्त लोकतंत्र एवं मजबूत निर्वाचन प्रक्रिया की दिशा में महत्वपूर्ण पहल को गति मिलेगी।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन 30 सितंबर तक

एनएसपी पोर्टल के माध्यम से कक्षा 1वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

संवाददाता > रगौरेला-पेंड्रा-मरवाही

समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ प्रदान करने के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कक्षा 1वीं से 12वीं तक अध्ययनरत दिव्यांग छात्र-छात्राएं 30 सितंबर 2026 तक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं।छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करने के लिए विद्यार्थियों को सर्वप्रथम नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) करना होगा। इसके पश्चात अप्लाई टू स्कॉलरशिप विकल्प में लॉगिन कर आधार का सत्यापन एवं आवश्यक जानकारी दर्ज करते हुए आवेदन पूर्ण करना होगा। आवेदन के लिए मूल निवास प्रमाण-पत्र, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, नवीनतम आय प्रमाण-पत्र तथा पूर्व वर्ष की अंकसूची सहित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन पूर्ण होने के बाद संबंधित विद्यालय अथवा शैक्षणिक संस्था द्वारा आवेदन का सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन उपरांत आवेदन समाज कल्याण विभाग, जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के आईडी में अग्रेषित किया जाएगा। इसके बाद पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की राशि डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाते में प्रदान की जाएगी। समाज कल्याण विभाग ने जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं में अध्ययनरत दिव्यांग छात्र-छात्राओं से निर्धारित समय-सीमा में एनएसपी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है। आवेदन प्रक्रिया से संबंधित किसी भी जानकारी अथवा समस्या के लिए समाज कल्याण विभाग से संपर्क किया जा सकता है।

रायपुर में आठ साल की बच्ची से हैवानियत की कोशिश, इलाके में आक्रोश

संवाददाता > रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से मानवता को शर्मसार करने वाला मामल सामने आया हैं। यहां एक 8 साल की मासूम से दुष्कर्म की कोशिश की गई है। इस खबर के सामने आते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। वहीं पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मासूम के साथ दुष्कर्म की कोशिश करने वाले आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला राजधानी रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। यहां सुलेमान कुरैशी नामक आरोपी ने एक आठ साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। बच्ची काफी जद्दोजहद के आरोपी के चंगुल से खुद को छुड़ाकर भागी और फिर अपने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद मासूम के परिजनों ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई।

समन्वय और क्रियान्वयन की जिम्मेदारी जिला शिक्षा विभाग ने निभाई।

जिला प्रशासन एवं अदाणी फाउंडेशन की साझेदारी से रायपुर में बोर्ड परीक्षा परिणामों

एक सत बुलेटिन > रायपुर

रायपुर जिले में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के शासकीय विद्यालयों के बोर्ड परीक्षा परिणामों में सुधार के उद्देश्य से जिला प्रशासन के नेतृत्व में तथा अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से ÷मिशन उत्कर्ष÷ का संचालन किया गया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन जिला कलेक्टर द्वारा किया गया, जबकि समन्वय और क्रियान्वयन की जिम्मेदारी जिला शिक्षा विभाग ने निभाई।

पूर्व में रायपुर जिले की बोर्ड परीक्षा रैंकिंग लगभग 33वें स्थान के आसपास थी। इसे ध्यान में रखते हुए एक डेटा-केंद्रित शैक्षणिक मॉडल तैयार कर जिले के 215 शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में लागू किया गया। इस पहल के तहत कक्षा 10वीं के लगभग 16,100 तथा कक्षा 12वीं के लगभग 13,000 विद्यार्थियों को शामिल किया गया। इसमें हिंदी एवं अंग्रेज़ी माध्यम के साथ विज्ञान, वाणिज्य और कला संकाय के विद्यार्थी शामिल रहे।

कार्यक्रम के दौरान मासिक परीक्षाएँ, अर्धवार्षिक और प्री-बोर्ड परीक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों के प्रदर्शन का नियमित आकलन किया गया। विषयवार विश्लेषण के आधार पर विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं की पहचान कर उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया। कार्यक्रम की निगरानी जिला कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा की गई, जिससे प्रशासनिक समन्वय बना रहा।

मिशन उत्कर्ष में अदाणी फाउंडेशन की भूमिका

मिशन उत्कर्ष के संचालन में अदाणी फाउंडेशन ने रणनीतिक सह-भागीदार के रूप में सहयोग दिया। फाउंडेशन द्वारा कार्यक्रम के लिए पूर्ण वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराया गया। मासिक परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्रों की छपाई और उनके वितरण की व्यवस्था की गई। विद्यार्थियों के लिए आवश्यक शैक्षणिक सामग्री प्रदान की गई तथा शैक्षणिक सहयोग के लिए विशेषज्ञ संस्था एलीमेंट्स (श्वद्यद्गद्वद्गठ्ठह्लह्स) की नियुक्ति और प्रबंधन किया गया। इसके साथ ही परीक्षा परिणामों की ट्रैकिंग, विश्लेषण और मॉनिटरिंग प्रक्रिया में सहयोग दिया गया। शिक्षकों के क्षमता विकास के लिए भी शैक्षणिक समर्थन उपलब्ध कराया गया, जिससे कार्यक्रम का संचालन तय ढांचे के अनुसार किया जा सका।

जिला रैंक– 25 से बढ़कर 15

उत्तीर्ण प्रतिशत– 79.94त्न से बढ़कर 84.79त्न

मेधा एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन

कक्षा 10वीं की टॉप-10 मेरिट सूची में 2 विद्यार्थियों ने स्थान प्राप्त किया, जिनमें अधिकतम अंक 592 (98.67त्न) रहे। कक्षा 12वीं में टॉप-10 मेरिट सूची में 5 विद्यार्थियों ने स्थान बनाते हुए 96 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए।

कुल मिलाकर लगभग 29,000 विद्यार्थियों की भागीदारी के साथ यह पहल जिले के शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक स्तर में सुधार की दिशा में एक संगठित प्रयास के रूप में सामने आई है।मिशन उत्कर्ष जिला प्रशासन और अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से संचालित एक ऐसी पहल है, जिसने रायपुर जिले में बोर्ड परीक्षा परिणामों में सुधार की दिशा में ठएक व्यावहारिक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है।

मुख्य सचिव ने की सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान की प्रगति की समीक्षा

रायपुर । राज्य शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के अंतिम व्यक्ति और प्रत्येक पात्र परिवार तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से शुरू किए गए महत्वाकांक्षी सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान की प्रगति को लेकर आज उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने इस दौरान सुघ्घर छत्तीसगढ़ डैश-बोर्ड पर दर्ज योजनाओं के क्रियान्वयन और पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किए जाने की चल रही कार्रवाई की विस्तार से समीक्षा की।सुघ्घर छत्तीसगढ़ ग्रामीण योजना के तहत शासन की विभिन्न योजनाओं के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए एक विशेष राज्य-स्तरीय डैश-बोर्ड तैयार किया गया है। इस डैश-बोर्ड पर राज्य एवं केंद्र शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं के सर्वेक्षित हितग्राहियों की सूची दर्ज है। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए हैं कि इस राज्य-स्तरीय डैश-बोर्ड में शासन की सभी योजनाओं की जिलेवार संतृप्ति का स्पष्ट विवरण होना चाहिए, ताकि पारदर्शिता और त्वरित गति से योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेबैठक के दौरान मुख्य सचिव ने निम्नलिखित प्रमुख योजनाओं के संतृप्तिकरण की स्थिति पर अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। प्रधानमंत्री किसान योजना एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड, राशन कार्ड एवं मुफ्त राशन वितरण, जॉब काड विकास कार्यक्रम,ल में राशन कार्ड के आधार पर हितग्राहियों की सूची की भी गहन समीक्षा की गई।

बाबर आजम 7 साल बाद डोमेस्टिक क्रिकेट खेलेंगे

पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बाबर आजम 2019 के बाद पहली बार घरेलू फर्स्ट क्लास मैच खेलेंगे। वह 18 सितंबर से जारी प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी ग्रेड-द्ब में ह्लत्रष्ठष्टरु (ऑयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड) टीम से खेल सकते हैं।बाबर का मुकाबला किंग्समेन अकादमी के खिलाफ होगा। उन्होंने अपना आखिरी फर्स्ट क्लास मैच 2019 में खेला था। वे हाल में इंग्लैंड दौरे पर खत्म हुई टेस्ट सीरीज की 4 पारियों में सिर्फ 97 रन ही बना सके थेबाबर के अलावा शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ जैसे सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ी भी घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट खेल रहे हैं। आमतौर पर ये खिलाड़ी पाकिस्तान में कम फर्स्ट क्लास मैच खेलते हैं।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इंग्लैंड दौरे पर दूसरे टेस्ट मैच में हार के बाद 7 खिलाड़ियों को वापस बुला लिया था। साथ ही टेस्ट कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को भी हटा दिया था। इन फैसलों से पहले बाबर से सलाह नहीं ली गई थी। बाबर के डोमेस्टिक खेलने के फैसले को इस घटना से जोड़कर देखा जा रहा है।

बाबार जुलाई में फिर टेस्ट कप्तान बने थे

बाबर को जुलाई में फिर से पाकिस्तान का टेस्ट कप्तान बनाया गया था। उनकी कप्तानी में टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज 1-1 से ड्रॉ खेली। हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ 0-3 से हार झेलनी पड़ी।

बाबर को गेस्ट प्लेयर के तौर पर शामिल किया जाएगा

की खेल प्रमुख फराह बतूल ने बताया कि ने बाबर का नाम गेस्ट प्लेयर के तौर पर शामिल करने के लिए भेजा है। वे आखिरी बार 2019 में कायद-ए-आजम ट्रॉफी में सेंट्रल पंजाब के लिए खेले थे। इसके बाद उन्होंने कोई घरेलू फर्स्ट क्लास मैच नहीं खेला।

बाबर के किट का ऑर्डर दिया जा चुका है। बतूल ने कहा- 'वह तय करेंगे कि 18 सितंबर के मैच में खेलना है या फिर 24 सितंबर से शुरू होने वाले तीसरे दौर के मैच में खेलेंगे।'शाहीन और हारिस भी घरेलू क्रिकेट खेल रहे

तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ पहले ही प्रेसिडेंट्स कप में अलग-अलग टीमों के लिए खेल चुके हैं। शाहीन नेचक्रूटीम की ओर से खेलते हुए एक पारी में 4 विकेट लिए थे। हारिस ने क्ष्झ्रड्ड के लिए 5 विकेट चटकाए।इसके बाद हारिस ने मौजूदा सीजन में पाकिस्तान के लिए रेड-बॉल क्रिकेट खेलने की इच्छा जताई थी।

विमेंस प्रीमियर लीग 14 जनवरी से, 28 अक्टूबर को ऑक्शन

विमेंस प्रीमियर लीग का पांचवा सीजन 14 जनवरी से 7 फरवरी 2027 तक खेला जाएगा। क्चष्टष्द्ब ने बुधवार को इसका जानकारी दी। पांच फ्रेंचाइजी वाले इस लीग का ऑक्शन 28 अक्टूबर को होगा। खिलाड़ियों को रिटेन करने की आखिरी तारीख 28 सितंबर तय की गई है।

विनेश वर्ल्ड चैम्पियनशिप ट्रायल में नहीं उतर पाएंगी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

विनेश फोगाट की इंटरनेशनल र में वापसी की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली हाई कोर्ट ने 2026 सीनियर वर्ल्ड के सेलेक्शन ट्रायल में उतरने के लिए उन्हें अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही विनेश के 14 सितंबर को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होने वाले ट्रायल में हिस्सा लेने का रास्ता बंद हो गया है।जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने गुरुवार देर रात विनेश फोगाट की अंतरिम राहत की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से तय पात्रता शर्तों में किसी एक खिलाड़ी को छूट नहीं दी जा सकती।

कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा कि 7 सितंबर 2026 के सर्कुलर में तय किए गए मानदंड सभी खिलाड़ियों पर समान रूप से लागू होते हैं। अगर किसी पहलवान ने तय इवेंट में हिस्सा नहीं लिया है तो वकी निर्धारित पात्रता श्रेणियों में नहीं आता।

नए सेलेक्शन नियमों को चुनौती दी थी। दरअसल, 7 सितंबर को जारी सर्कुलर में 2026 सीनियर वर्ल्ड चैम्पि?यनशि?प के ट्रायल के लिए छह ओलंपिक भार वर्गों में पात्रता की शर्तें तय की गई हैं।

इन नियमों के तहत कुछ निर्धारित प्रतियोगिताओं के पदक विजेता, नेशनल कोचिंग कैम्प में शामिल पहलवान और 2026 अंडर-20 वर्ल्ड के लिए चुने गए पहलवान पात्रता के दायरे में आते हैं।

विनेश का तर्क है कि वह मातृत्व के कारण कई क्वालिफाइंग प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले सकीं। ऐसे में मौजूदा नियम उनके लिए वर्ल्डट्रायल में पहुंचने का रास्ता बंद कर देते हैं।टीम में सेलेक्शन की मांग नहीं की थी। उनकी मांग सिर्फ इतनी थी कि उन्हें ट्रायल में उतरने का मौका दिया जाए। इसके बाद टीम में जगह बनाने का फैसला उनके प्रदर्शन के आधार पर हो।

विनेश ने एशियन गेम्स ट्रायल का भी दिया हवाला अपनी दलील में विनेश ने 30 मई को हुए एशियन गेम्स के सेलेक्शन ट्रायल का भी जिक्र किया। उन्होंने 53 किलोग्राम भार वर्ग में हिस्सा लिया था। विनेश ने क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीता और सेमीफाइनल तक पहुंची थीं।उनका कहना था कि वह मां बनने के बाद ट्रेनिंग और इवेंट में वापसी कर चुकी हैं और उन्हें अपनी क्षमता साबित करने का मौका मिलना चाहिए।

सैमसन ने वैभव के लिए छोड़ी थी ओपनिंग

18 महीने में बदली पूरी कहानी; वर्ल्ड कप के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के सामने 15 साल का द्बक्करुऑरेंज कैप विजेता

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

करीब 18 महीने पहले राजस्थान रॉयल्स में संजू सैमसन और वैभव सूर्यवंशी की कहानी शुरू हुई थी। तब संजू टीम के कप्तान थे और 14 साल के वैभव ने उनके चोटिल होने के बाद द्बक्करुमें कदम रखा था। वैभव ने तीसरे ही मैच में सेंचुरी जड़ दी। उनकी बल्लेबाजी इतनी शानदार रही कि सैमसन की वापसी के बाद भी वैभव ने ओपनिंग की और सैमसन खुद नंबर-3 पर उतर गए।

तब यह रिश्ता कप्तान और युवा खिलाड़ी का था। अब दोनों की कहानी टीम इंडिया की ओपनिंग स्लॉट तक पहुंच चुकी है। 15 साल के वैभव ने द्बक्करु2026 में ऑरेंज कैप जीती, सैमसन 2026 टी-20 वर्ल्ड कप के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे। दोनों के पास टीम को मैच जिताने की अपनी-अपनी वजह है। फर्क सिर्फ इतना है कि फिलहाल प्लेइंग-11 में एक ही जगह दोनों के लिए खुली है।अफगानिस्तान के खिलाफ पहले दो टी-20 में भारत ने सैमसन और अभिषेक शर्मा से ओपनिंग कराई, जबकि जिम्बाब्वे के खिलाफ पिछली सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे वैभव को बाहर बैठना पड़ा। दूसरे टी-20 में सैमसन ने 22 गेंद पर 57 रन की पारी खेलकर अपनी दावेदारी का जवाब बल्ले से दिया।

संजू सैमसन और वैभव सूर्यवंशी की तस्वीर 2024 की है। तब संजू की कप्तानी में वैभव खेलते थे। संजू सैमसन और वैभव सूर्यवंशी की तस्वीर 2024 की है। तब संजू की कप्तानी में वैभव खेलते थे।

कहानी शुरू हुई थी सैमसन की चोट से

2025 में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान सैमसन चोट के कारण लंबे समय के लिए बाहर हुए। उस समय 14 साल के वैभव को टीम में मौका मिला। युवा बल्लेबाज ने मौके को तुरंत भुनाया। द्बक्करुके अपने तीसरे मैच में ही सेंचुरी लगा दी। इसके बाद राजस्थान के लिए सवाल यह नहीं रहा कि वैभव को टीम में रखा जाए या नहीं, बल्कि यह था कि उसे बल्लेबाजी में कहां उतारा जाए।

सैमसन की वापसी के बाद भी वैभव ओपन करते रहे। सैमसन ने अपनी ओपनिंग पोजिशन वापस लेने के बजाय नंबर-3 पर बल्लेबाजी की। यही वह मोड़ था जहां दोनों के बीच क्रिकेट का रिश्ता सिर्फ सीनियर-जूनियर नहीं रहा। सैमसन ने एक तरह से वैभव को जगह बनाने का मौका दिया और वैभव ने अपने प्रदर्शन से उस भरोसे को सही साबित किया। फिर वैभव ने द्बक्करु में ऐसा खेला कि टीम इंडिया का दरवाजा खुल गया द्बक्करु2026 वैभव के करियर का बड़ा मोड़ रहा। सिर्फ 15 साल की उम्र में उन्होंने 776 रन बनाए। उनका औसत 48.5 और स्ट्राइक रेट 237.3 रहा। इस प्रदर्शन के साथ वे टूर्नामेंट के ऑरेंज कैप विजेता बने। इसके बाद उन्हें भारतीय टी-20 सेटअप में तेजी से शामिल किया गया।

व्यापार

भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा

वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है।

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान बना दिया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात में नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना है। इस दौरान देश का कुल रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंचा, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 62.66 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दिखाता है। गौरतलब है कि भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही 3 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन भी स्वदेश में होगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा निर्यात में 14,802 करोड़ रुपए की बड़ी बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी इसका संकेत है कि दुनिया भारत की

स्वदेशी रक्षा क्षमताओं और उन्नत मैन्युफैक्चरिंग पर भरोसा कर रही है। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और निजी उद्योग दोनों की अहम भूमिका रही है। कुल निर्यात में भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों का योगदान 54.84 प्रतिशत रहा, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 45.16 प्रतिशत रही है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक नेतृत्व में भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नई सफलता की कहानी लिखी है।

रक्षा मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक और उपलब्धि हासिल की है। दरअसल मंत्रालय ने अपने पूंजीगत बजट का पूर्ण उपयोग किया है। यह बजट राशि 1.86 लाख करोड़ रुपए थी। इस बड़े पूंजीगत व्यय का 100 प्रतिशत उपयोग किया। यह लगातार दूसरा साल है जब रक्षा मंत्रालय ने अपना पूरा कैपिटल बजट इस्तेमाल किया है। इससे पहले भी वित्त वर्ष 2024-25 में कई वर्षों बाद पहली बार पूंजीगत बजट का पूरा उपयोग किया गया था।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, शुरुआत में पूंजीगत व्यय के लिए 1.80 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, लेकिन पहली दो तिमाहियों के खर्च और ऑपरेशन सिंदूर के

एमजी कामेट ईवी सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में शामिल

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

अमेरिका -इजराइल-ईरान के मध्य जारी लडाई का असर अब भारत में भी होने लगा है। देश में कहीं गैस आपूर्ति प्रभावित हो रही है तो कहीं पेट्रोल-डीजल की किल्लत सामने आ रही है। ऐसे माहौल में कालाबाजारी भी चांदी काटने में लगे है। ऐसे हालात में इलेक्ट्रिक वाहन किफायती विकल्प के रूप में तेजी से उभर रहे हैं। खासतौर पर एमजी कामेट ईवी देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में शामिल है, जिसकी शुरुआती कीमत करीब 7.49 लाख रुपए है। इसकी रनिंग कॉस्ट इसे और आकर्षक बनाती है। एमजी कामेट ईवी को फुल चार्ज करने में लगभग 18 यूनिट बिजली लगती है।

यदि प्रति यूनिट कीमत 8 रुपए मानी जाए, तो कुल खर्च 144 रुपए आता है। कंपनी के अनुसार इसकी रेंज 230 किमी है, जबकि वास्तविक रेंज करीब 200 किमी मानी जाती है। इस

हिसाब से प्रति किलोमीटर लागत करीब 72 पैसे पड़ती है। वहीं पेट्रोल कार में औसतन 15 किमी प्रति लीटर माइलेज के आधार पर प्रति किलोमीटर खर्च करीब 6.60 रुपए आता है। यानी हर किलोमीटर पर लगभग 5.88 रुपए की बचत संभव है।

अगर कोई व्यक्ति महीने में 2000 किमी और साल में 24,000 किमी ड्राइव करता है, तो वह हर महीने करीब 11,760 रुपए और सालाना लगभग 1.41 लाख रुपए तक बचा सकता है। पांच साल में यह बचत 7 लाख रुपए के आसपास पहुंच सकती है, जिससे कार की लागत भी वसूल हो जाती है। फीचर्स की बात करें तो इसमें 10.25 इंच की ड्यूल स्क्रीन, स्मार्ट कनेक्टिविटी, नेविगेशन और रियल-टाइम अपडेट जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

- शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्र?ति ?किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्र?ति ?किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्र?ति ?किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्र?ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

– वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार–चढ़ाव जारी रह सकता है

एजेंसी ➤ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 3.62 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे।

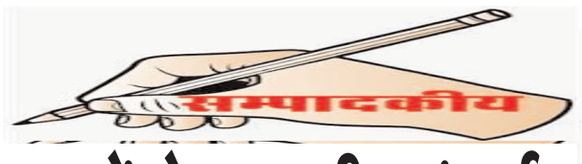

युद्धों से भड़कती महंगाई

अगस्त माह, 2026, में खुदरा मुद्रास्फीति 4.82 फीसदी रही, जबकि थोक मूल्य सूचकांक 9.9 फीसदी दर्ज किया गया। खाद्य महंगाई की यह स्थिति आठ माह में सर्वोच्च स्तर पर रही। भारतीय रिजर्व बैंक की तय सीमा से भी अधिक मुद्रास्फीति है। त्योहारों के मौसम में महंगाई और भी बढ़ सकती है। आम आदमी दर और प्रतिशत के इस अर्थशास्त्र को नहीं समझता। उसके लिए आटा, गेहूं, चावल, चीनी, दालें, खाद्य तेल, हरी सब्जियां, प्याज, टमाटर, अदरक, लहसुन और दूध आदि की कीमतें बढ़ती हैं, तो वह महंगाई की स्थिति है। उसकी जेब सीमित है, लिहाजा घर का बजट भी तय है। जब ये हदें टूटने लगती हैं, तो आम आदमी महंगाई से कराहने लगता है। एक वह महंगाई भी है, जो युद्ध हमें देते हैं और हम मजबूर हैं। बीते छह माह से अधिक समय से ईरान का होर्मुज जलडमरूमध्य या तो बाधित है अथवा बंद है या मिसाइल, ड्रोन के हमले जारी हैं। भारत का 50 फीसदी से अधिक कच्चा तेल, एलपीजी, खाद आदि इसी समुद्री मार्ग से आते रहे हैं। दुनिया में करीब 20 फीसदी तेल-गैस की आपूर्ति इसी मार्ग के जरिए की जाती रही है। अब लाल सागर और बाब-अल-मंदेब पर हूती लड़ाकों ने कब्जा कर लिया है। हालांकि उन्होंने ऐलान किया है कि वे सऊदी अरब के जहाजों को निशाना बनाएंगे। यहां से गुजरने नहीं देंगे। भारत समेत शेष विश्व के जहाज, तेल-टैंकर आदि की आवाजाही निर्बाध रहेगी। दुनिया की करीब 12 फीसदी आपूर्ति इस जल-मार्ग के जरिए होती रही है। सऊदी अरब जिस 'ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन' के जरिए यूरोप और एशिया में कच्चे तेल का निर्यात कर रहा था, इस पर हूती लड़ाकों ने मिसाइल हमले कर उसका एक हिस्सा तबाह कर दिया है। सोमवार, 14 सितंबर, की रात तक पाइपलाइन धू-धू कर जल रही थी, लिहाजा उसे बंद करना पड़ा है। इस पेट्रोलाइन से 40-50 लाख बैरल कच्चा तेल रोजाना सप्लाई किया जाता था।जाहिर है कि भारत सहित कई एशियाई और यूरोपीय देशों की तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है।

(एक नजर)

बनेगा दुर्लभ संयोग

इस साल दिवाली का पर्व आने से पहले ही ज्योतिषीय दृष्टिकोण से एक अत्यंत दुर्लभ और शुभ संयोग बनने जा रहा है. अंतरिक्ष में ग्रहों की महाचाल कुछ इस प्रकार बदलने वाली है कि कई जातकों के बंद किस्मत के ताले अचानक खुल जाएंगे. पंचांग के अनुसार, ग्रहों के सेनापति मंगल, धन और वैभव के दाता शुक्र, और बुद्धि व व्यापार के कारक ग्रह बुध, ये तीनों बड़े ग्रह एक साथ मिलकर ऐसा त्रिग्रही गोचर और युति चक्र बना रहे हैं, जो सीधे तौर पर धन वर्षा का संकेत दे रहा है. द्रिक पंचांग के अनुसार, शुक्र जहां अपनी स्वराशि तुला में बैठकर मजबूती प्रदान करेंगे, वहीं बुध देव 7 सितंबर को कन्या में और उसके बाद 26 सितंबर को तुला राशि में प्रवेश कर शुक्र के साथ मिलकर %लक्ष्मी-नारायण राजयोग% की रचना करेंगे. इसके अलावा, 18 सितंबर को मंगल का कर्क राशि में प्रवेश भी महापरिवर्तन लाएगा. प्रसिद्ध ज्योतिषियों के अनुसार, ग्रहों की इस हलचल का सबसे ज्यादा और सकारात्मक असर 6 प्रमुख राशियों के जीवन पर देखने को मिलेगा. मेष राशि- आर्थिक तरक्की और प्रमोशन के योग मेष राशि के जातकों के लिए दिवाली से पूर्व का यह समय किसी वरदान से कम नहीं रहेगा. ग्रहों के प्रभाव से आपकी कमाई के नए-नए रास्ते खुलेंगे।

विचार

प्रदेशभर में होंगे जनसेवा के कार्यक्रम

धनंजय राठौर

संयुक्त संचालक, जनसंपर्क रायपुर

'सेवा संकल्प अभियान' प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित एक महीने का देशव्यापी अभियान है। इसका मकसद श्री मोदी के सेवा और विकास से जुड़े कामों को लोगों तक पहुंचाने के साथ जनसेवा के कार्यक्रमों को बढ़ाना है। इन कार्यक्रमों में रक्तदान शिविर, सफाई अभियान, स्कूलों में प्रतियोगिताएं आदि शामिल हैं। इस अभियान का उद्देश्य जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करना, विकसित भारत 2047 का सामूहिक संकल्प लेना, केन्द्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाना तथा प्रत्येक परिवार की सहभागिता के साथ व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।'सेवा संकल्प अभियान' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के निरंतर जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यकाल के सम्मान में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाला एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। सेवा गतिविधियां में नागरिकों को रक्तदान, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य परीक्षण, जल संरक्षण और डिजिटल साक्षरता जैसी 25 सेवा गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। श्रमदान के रूप में नागरिकों से कम से कम 25 मिनट श्रमदान करने की अपील की गई है, जिसकी फोटो या वीडियो माई भारत पोर्टल पर अपलोड करने पर डिजिटल प्रमाण-पत्र मिलेगा। विशेष कार्यक्रम के रूप में 17 सितम्बर 2026 को आशीर्वाद का दीया, नमो सेवा गाथा के तहत संभागीय मुख्यालय रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, अंबिकापुर , और जगदलपुर , के आडिटोरियम में संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन से समन्वय कर प्रस्तावित तिथि अनुसार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। नमो सेवा गाथा अंतर्गत नुक्कड नाटक, नृत्य नाटिका जिले केस्थानीय कलाकार के माध्यम से सांस्कृतिक आयोजन किया जाएगा। सेवा सेतु अभियान और सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज जैसी अभिनव गतिविधियां आयोजित होंगी। इन गतिविधियों का संचालन शासकीय विभागों के साथ-साथ नागरिकों तथा सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से भी किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में सभी आयु वर्ग की महिलायें, सामाजिक कार्यकर्ता, प्रतिष्ठित व्यक्तियों, जनप्रतिनिधियों, स्वैच्छिक संगठन, शैक्षणिक संस्थाएँ, स्वयं-सहायता समूहों, युवाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों को सक्रिय रूप से जोड़ा जाएगा।

कब से कब तक चलेगा अभियान यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। 17 सितंबर को पीएम मोदी का जन्मदिन है, जबकि 7 अक्टूबर को उनके सार्वजनिक पद पर 25 साल पूरे होंगे। 17 अक्टूबर 2026 को अभियान का समापन बड़े कार्यक्रम के साथ किया जाएगा। प्रदेशभर में होंगे सेवा कार्यक्रम अभियान के तहत 17 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच स्कूल और कॉलेजों में ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिता सभी सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों में आयोजित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किये गए सेवा कार्यों और विकसित भारत की संकल्पना पर जानकारी दी जाएगी और ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके अलावा रक्तदान शिविर, सफाई अभियान, प्रदर्शनियां, सेमिनार और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जागरूकता गतिविधियां होंगी। ब्लॉक स्तर पर 'सेवा सेतु' शिविर लगाए जाएंगे, जहां लोगों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने में मदद दी जाएगी।आंगन का उत्सव' में पोषण और महिला-बाल कल्याण पर जोर 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आंगनवाड़ी केंद्रों में 'आंगन का उत्सव' आयोजन किया जाएगा। इस दौरान पोषण, मातृ सहायता, टीकाकरण तथा महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी हितग्राहियों को दी जाएगी। कार्यक्रमों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए उनका सम्मान भी किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से महिलाओं, बच्चों और परिवारों को स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जागरूकता से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।कहानी बदलाव की'में सामने आएंगी सफलता की वास्तविक कहानियां अभियान के दौरान 'कहानी बदलाव की' पहल के तहत शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की वास्तविक सफलता की कहानियों का संकलन किया जाएगा। इन कहानियों के माध्यम से यह बताया जाएगा कि सरकारी योजनाओं का प्रभाव किस तरह आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

विचार

हूतियों पर सऊदी का संयम क्यों?

ऋचीक मिश्रा

लेखक

सऊदी अरब के पास इजरायल के बाद क्षेत्र में सबसे बड़ा और आधुनिक हथियार भंडार है। अरबों डॉलर खर्च कर खरीदे गए अमेरिकी, यूरोपीय और चीनी हथियारों से लैस सऊदी सेना दुनिया की सबसे अमीर सेनाओं में शामिल है। फिर भी 2015 से चल रहे यमन संघर्ष और 2026 के बढ़ते तनाव के बावजूद रियाद हूतियों पर पूरी तरह से मिलिट्री अटैक करने से बच रहा है। यह संयम हथियारों की कमी का नतीजा नहीं, बल्कि गहरी रणनीतिक मजबूरी और दूरदर्शिता का परिणाम है। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ और रक्षा विश्लेषक इसे मैनेज्ड डिटरेंस यानी प्रबंधित प्रतिरोध की नीति कहते हैं।हूती विद्रोही ईरान समर्थित समूह है, जो यमन के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखते हैं। उन पर सीधा हमला ईरान से तनाव को खुले संघर्ष में बदल सकता है। ईरान पहले ही जॉर्डन, कतर और सऊदी अरब में स्थित अमेरिकी ठिकानों पर हमले कर चुका है। ऐसे में सऊदी अगर हूतियों पर बड़े पैमाने पर हमला करता है तो तेहरान इसे अपने खिलाफ सीधी कार्रवाई मान सकता है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह पूरा क्षेत्र युद्ध की आग में झुलस सकता है।

सऊदी अरब हूतियों को कमजोर रखना चाहता है ताकि वे बड़े हमले न कर सकें, लेकिन इस हाल में भी नहीं छोड़ना चाहता कि वे पूरी तरह खत्म हो जाएं और ईरान सीधे मैदान में उतरे। साथ ही, यमन के दलदल में नहीं फंसना चाहता। क्योंकि उसे बड़े आर्थिक नुकसान से बचना भी है।सऊदी अरब के पास इजरायल के बाद क्षेत्र में सबसे बड़ा और आधुनिक हथियार भंडार है। अरबों डॉलर खर्च कर खरीदे गए अमेरिकी, यूरोपीय और चीनी हथियारों से लैस सऊदी सेना दुनिया की सबसे अमीर सेनाओं में शामिल है। फिर भी 2015 से चल रहे यमन संघर्ष और 2026 के बढ़ते तनाव के बावजूद रियाद हूतियों पर पूरी तरह से मिलिट्री अटैक करने से बच रहा है। यह संयम हथियारों की कमी का नतीजा नहीं, बल्कि गहरी रणनीतिक मजबूरी और दूरदर्शिता का परिणाम है। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ और रक्षा विश्लेषक इसे मैनेज्ड डिटरेंस यानी प्रबंधित प्रतिरोध की नीति कहते हैं।हूती विद्रोही ईरान समर्थित समूह है, जो यमन के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखते हैं। उन पर सीधा हमला ईरान से तनाव को खुले संघर्ष में बदल सकता है। ईरान पहले ही जॉर्डन, कतर और सऊदी अरब में स्थित अमेरिकी ठिकानों पर हमले कर चुका है। ऐसे में सऊदी अगर हूतियों पर बड़े पैमाने पर हमला करता है तो तेहरान इसे अपने खिलाफ सीधी कार्रवाई मान सकता है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह पूरा क्षेत्र युद्ध की आग में झुलस सकता है।

सऊदी अरब की सबसे बड़ी मजबूरी पड़ोसी इस्लामिक देशों के साथ संबंध बनाए रखना है। खाड़ी सहयोग परिषद के सदस्य देश- यूएई, कुवैत, बहरीन, ओमान और कतर, अपने-अपने हितों के अनुसार व्यवहार करते हैं। यूएई पहले यमन में सक्रिय रहा लेकिन बाद में पीछे हट गया। ओमान हमेशा मध्यस्थता की भूमिका निभाता रहा है। अगर सऊदी अरब हूतियों के खिलाफ सीधा एक्शन लेता है तो ये देश या तो समर्थन से पीछे हट सकते हैं या चुपचाप असहमति जता सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञ प्रोफेसर ग्रेगरी गॉज ढ़ढ़ढ़ कहते हैं कि सऊदी अरब को पता है कि इस्लामिक देशों के बीच खुला संघर्ष पूरी मुस्लिम दुनिया को बांट सकता है। उसकी अपनी नेतृत्व क्षमता को कमजोर कर सकता है। ईरान के साथ सीधा तनाव सऊदी के लिए और खतरनाक है। दोनों देश पहले से ही क्षेत्रीय प्रतियोगी हैं। हूतियों पर हमला ईरान को जवाबी कार्रवाई का बहाना दे सकता है। सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के डिफेंस एक्सपर्ट एंथनी कॉर्ड्समैन कहते हैं कि सऊदी की वायुसेना और मिसाइल रक्षा प्रणाली मजबूत है, लेकिन ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन क्षमता लंबे समय तक सऊदी शहरों और तेल सुविधाओं को निशाना बना सकती है। 2019 में अरामको पर हुए हमले की याद अभी ताजा है।सऊदी अरब अमेरिका का पुराना सहयोगी है लेकिन वॉशिंगटन की नीतियां बदलती रहती हैं। 2026 के ईरान युद्ध के संदर्भ में अमेरिका अपनी प्राथमिकताओं पर केंद्रित है। अगर सऊदी हूतियों पर बड़े हमले शुरू करता है।।। और संघर्ष बढ़ता है तो अमेरिका पूर्ण सैन्य समर्थन देने से बच सकता है। पूर्व अमेरिकी रक्षा अधिकारी और विशेषज्ञ मार्क पेरी का कहना है कि सऊदी जानता है कि अमेरिका अब यमन जैसे लंबे संघर्ष में फंसना नहीं चाहता। इसलिए रियाद सीमित जवाबी कार्रवाई करता है लेकिन पूरी तरह आक्रमण से बचता है। बड़े संघर्ष का डर सबसे महत्वपूर्ण मजबूरी है। यमन का भूगोल पहाड़ी और जटिल है। 2015-2022 के बीच सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने हवाई हमले किए लेकिन जमीनी नियंत्रण हासिल नहीं कर सका। हूती लड़ाके गुरिल्ला युद्ध में माहिर हैं। पूर्ण हमला हजारों सैनिकों की जान ले सकता है। अरबों डॉलर खर्च करा सकता है। सऊदी अरब की इमेज को नुकसान पहुंचा सकता है। ब्रिटिश रक्षा विशेषज्ञ सर लॉरेंस फ्रीडमैन लिखते हैं कि सऊदी अरब ने यमन से सबक लिया है। वह अब उसी दलदल में दोबारा नहीं फंसना चाहता।सऊदी अरब विजन 2030 के तहत अर्थव्यवस्था को तेल से आगे ले जाने की कोशिश कर रहा है। लंबा युद्ध पर्यटन, निवेश और तेल एक्सपोर्ट को नुकसान पहुंचाएगा। हूती हमले पहले ही लाल सागर के शिपिंग रूट को प्रभावित कर चुके हैं। बड़े पैमाने पर संघर्ष इसे और बिगाड़ सकता है।

विचार

ओजोन दिवस पर विशेष

डॉ. सुशील द्विवेदी,

लेखक

हर वर्ष 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है। यह दिवस हमें उस अदृश्य प्राकृतिक सुरक्षा-कवच की याद दिलाता है, जो पृथ्वी से लगभग 15 से 35 किलोमीटर ऊपर समतापमंडल में मौजूद ओजोन परत के रूप में जीवन की रक्षा करता है। सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी-बैंगनी किरणों, विशेषकर यूवी-बी का बड़ा हिस्सा ओजोन अवशोषित कर लेती है, यदि यह सुरक्षा-कवच कमजोर पड़ जाए तो मानव स्वास्थ्य, वनस्पतियों, कृषि और पारिस्थितिक तंत्र पर गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं, लेकिन ओजोन की कहानी केवल आसमान की कहानी नहीं है। इसका संबंध पृथ्वी के उन हिस्सों से भी है, जहां जलवायु परिवर्तन के प्रभाव सबसे स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। हिमालय उनमें सबसे महत्वपूर्ण है। हिमालय और ओजोन पहली नजर में दो अलग-अलग विषय लगते हैं- एक आकाश की ऊंचाइयों में मौजूद गैस की परत और दूसरा धरती पर फैली विशाल पर्वत-श्रृंखला। लेकिन जलवायु विज्ञान बताता है कि पृथ्वी की वायुमंडलीय और पर्वतीय प्रणालियां एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हैं। ओजोन में परिवर्तन, ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती सांद्रता, तापमान में बदलाव, वायुमंडलीय परिसंचरण और

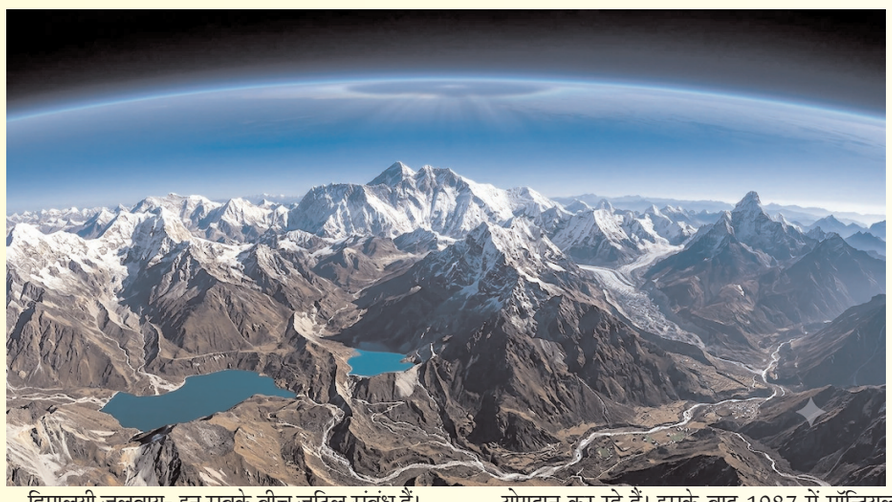

हिमालयी जलवायु- इन सबके बीच जटिल संबंध हैं। ओजोन ऑक्सीजन के तीन परमाणुओं से बना अणु है, इसकी वायुमंडल में इसकी मात्रा बहुत कम है, लेकिन इसका महत्व अत्यंत बड़ा है। समतापमंडलीय ओजोन सूर्य की पराबैंगनी विकिरण को अवशोषित करके पृथ्वी पर जीवन के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाए रखने में मदद करता है। 1980 के दशक में वैज्ञानिकों ने पाया कि मानव गतिविधियों से उत्सर्जित क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) जैसे रसायन समतापमंडल में पहुंचकर ओजोन के विनाश में योगदान कर रहे हैं। इसके बाद 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल अस्तित्व में आया। यह पर्यावरणीय कूटनीति की सबसे महत्वपूर्ण सफलताओं में से एक माना जाता है। इस अंतरराष्ट्रीय समझौते ने ओजोन-क्षयकारी पदार्थों के उत्पादन और उपयोग को नियंत्रित किया। वैज्ञानिक आकलनों के अनुसार ओजोन परत धीरे-धीरे पुनर्प्राप्ति की दिशा में है और अगर वर्तमान वैश्विक नीतियां जारी रहती हैं, तो आने वाले दशकों में ओजोन परत के 1980 के स्तरों के करीब लौटने की संभावना है। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बताती है कि वैश्विक पर्यावरणीय संकट को वैज्ञानिक सहयोग, राजनीतिक इच्छाशक्ति और अंतरराष्ट्रीय समझौतों के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि पर्यावरणीय चुनौतियां समाप्त हो गई हैं।

हिमालय को अक्सर एशिया का जलस्तंभ कहा जाता है। इसकी बर्फ और हिमनद सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी प्रमुख नदी प्रणालियों को जल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। करोड़ों लोगों की कृषि, पेयजल, ऊर्जा और आजीविका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हिमालयी जल प्रणालियों से जुड़ी है। लेकिन हिमालय तेजी से बदल रहा है। बढ़ते तापमान के कारण अनेक हिमनद पीछे हट रहे हैं। कई क्षेत्रों में हिमपात के स्वरूप में परिवर्तन देखा जा रहा है। हिमनद झीलों का विस्तार, अचानक बाढ़, भूस्खलन और अत्यधिक वर्षा जैसी घटनाएं पर्वतीय समुदायों के लिए नए जोखिम पैदा कर रही हैं। नेपाल, भारत, भूटान और पाकिस्तान सहित पूरे हिंदुकुश हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं रहता। पर्वतों में होने वाला परिवर्तन नदियों के माध्यम से मैदानी क्षेत्रों तक पहुंचता है। यही कारण है कि हिमालय को केवल भौगोलिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक विशाल जलवायु और पारिस्थितिक प्रणाली के रूप में देखना होगा।यहां वैज्ञानिक सावधानी जरूरी है। हिमालय के हिमनदों के पिघलने का सीधा कारण ओजोन परत का क्षरण नहीं है। हिमालय में वर्तमान ग्लेशियर ह्रास का प्रमुख कारण क्षेत्रीय और वैश्विक तापमान वृद्धि, बदलते हिमपात, ब्लैक कार्बन जैसे प्रदूषकों और अन्य जलवायु कारकों का सम्मिलित प्रभाव है। फिर भी ओजोन और हिमालय एक व्यापक वायुमंडलीय प्रणाली के दो महत्वपूर्ण हिस्से हैं। ओजोन एक ओर सूर्य के विकिरण और समतापमंडलीय तापीय संरचना को प्रभावित करता है, वहीं ग्रीनहाउस गैसों की वृद्धि पृथ्वी की निचली वायुमंडलीय परतों को गर्म करती है। वायुमंडल की अलग-अलग परतों में होने वाले ये परिवर्तन वायुमंडलीय परिसंचरण और क्षेत्रीय जलवायु को प्रभावित कर सकते हैं। हिमालय जैसी ऊंची पर्वत-श्रृंखलाएं स्वयं वायुमंडलीय परिसंचरण को प्रभावित करती हैं। इसलिए ओजोन, जलवायु परिवर्तन और हिमालय के बीच संबंध को किसी एक कारण और एक परिणाम के रूप में नहीं, बल्कि पृथ्वी प्रणाली के परस्पर जुड़े घटकों के रूप में समझना अधिक वैज्ञानिक होगा।

ओजोन संकट ने हमें यह सिखाया कि मानव द्वारा छोड़े गए रसायन पृथ्वी की ऐसी प्राकृतिक प्रणालियों को प्रभावित कर सकते हैं, जिनका अस्तित्व करोड़ों वर्षों से है। जलवायु परिवर्तन इसी चेतावनी को और व्यापक रूप देता है। आज कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और अन्य ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा पृथ्वी की ऊर्जा-संतुलन प्रणाली को प्रभावित कर रही है। इसके परिणामस्वरूप तापमान बढ़ रहा है और पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र बदल रहे हैं।

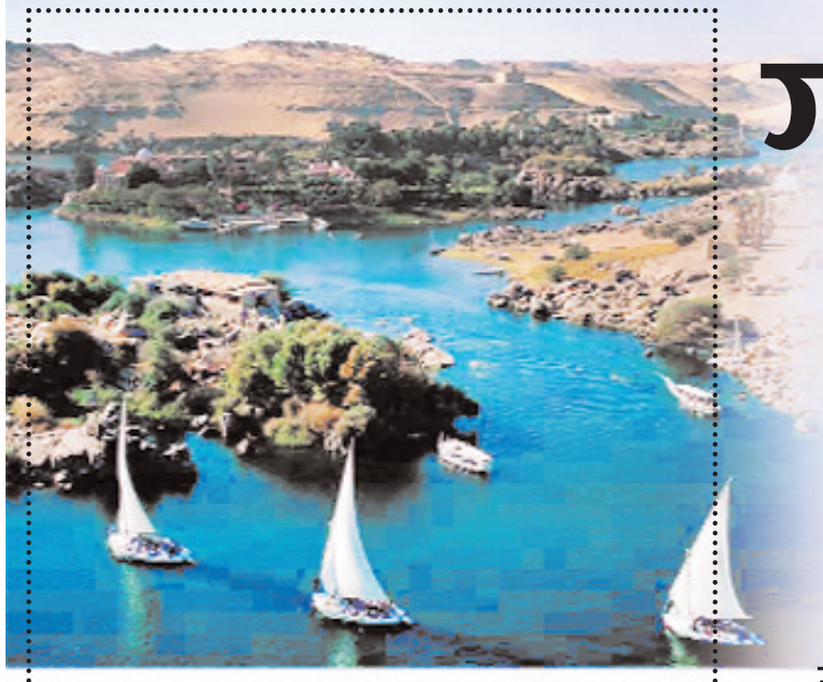

गंगा नहीं है दुनिया की सबसे बड़ी नदी

भारतीय संस्कृति में नदियों का काफी महत्व रहा है। वैसे देखा जाए तो हर सभ्यता के विकास का मार्ग नदियों ने ही प्रशस्त किया है। दुनिया की बड़ी नदियों में से एक है गंगा नदी, जिसे भारत में बहुत ही पवित्र और आस्था के प्रतीक के तौर पर देखा जाता है, लेकिन दोस्तों क्या तुम जानते हो कि गंगा नदी भले ही देश की सबसे बड़ी नदी हो, लेकिन लंबाई के आधार पर दुनिया की सबसे बड़ी नदियों में इसका नाम नहीं आता है। तुम्हें ये जानकर भले ही आश्चर्य होगा, लेकिन सच्चाई यही है।

नील नदी

दुनिया की सबसे लंबी नदी नॉर्थ-ईस्ट अफ्रीका में बहने वाली नील नदी है। नील नदी की लंबाई 6650 किलोमीटर यानी 4132 मील है। नील नदी अफ्रीका की सबसे बड़ी झील विक्टोरिया से निकलकर विस्तृत सहारा मरुस्थल के पूर्वी भाग को पार करती हुई उत्तर में भूमध्यसागर में उतर जाती है। यह भूमध्य रेखा के निकट भारी वर्षा वाले क्षेत्रों से निकलकर दक्षिण से उत्तर क्रमशः युगांडा, इथियोपिया, सूडान एवं मिस्र से होकर बहते हुए काफी लंबी घाटी बनाती है।

यांग्त्जी नदी

यांग्त्जी नदी एशिया की सबसे बड़ी तथा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी नदी है, जो चीन में बहती है। इसकी लंबाई 6300 किलोमीटर यानी 3917 मील है। चीन ने सबसे घनी आबादी वाले शहर वुहान के दो हिस्सों को आपस में जोड़ने के लिए यांग्त्जी नदी के आर-पार मेट्रो रेल लाइन का निर्माण भी कर दिया है। इस रेल लाइन की शुरुआत दो साल पहले हुई थी। यांग्त्जी नदी को चीन में चेन जियांग के नाम से भी जाना जाता है। यह नदी किंघाई तिब्बत पठार से निकलकर दक्षिण-पश्चिम चीन, मध्य चीन तथा पूर्वी चीन से होते हुए शंघाई में पूर्वी चीन के समुद्री हिस्से में समाहित हो जाती है।

अमेजन नदी

दक्षिणी अमेरिका में बहने वाली अमेजन नदी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी नदी है। इसकी लंबाई 6400 किलोमीटर यानी 4000 मील है। आयतन (लंबाई-चौड़ाई) के हिसाब से यह विश्व की सबसे बड़ी नदी है, लेकिन अगर सिर्फ लंबाई के हिसाब से बात करें तो दूसरी। यह ब्राजील, पेरू, बोलविया, कोलंबिया तथा इक्वाडोर से होकर बहती है। यह पेरू के एंडीज पर्वतमाला से निकलकर पूर्व की ओर बहती है और अटलांटिक महासागर में मिलती है। इस नदी पर एक भी पुल नहीं है।

मिसिसिपी-मिसौरी

मिसिससिपी-मिसौरी नदी लंबाई के आधार पर अमेरिका की सबसे बड़ी तथा दुनिया की चौथी सबसे बड़ी नदी है। इसकी लंबाई 6275 किलोमीटर (3902 माइल) है। मिसिसिपी नदी के स्रोत को आम रूप से इटास्का झील को माना जाता है, लेकिन मिसिसिपी का सबसे दूरस्थ स्रोत जेफरसन नदी है। जेफरसन नदी मिसौरी नदी की सहायक नदी है, जैसे मिसौरी नदी मिसिसिपी की सहायक है। जब मिसिसिपी की लंबाई को इस मुहाने से लेकर सर्वाधिक दूर के इस स्रोत तक मापा जाता है तो इसे मिसिसिपी-मिसौरी-जेफरसन कहा जाता है।

येनिसे-अंगारा-सेलेंगा

येनिसे-अंगारा-सेलेंगा नदी दुनिया की पांचवीं सबसे लंबी नदी है, जो रूस में बहती है। इस नदी की लंबाई 5539 किलोमीटर यानी 3445 मील है। ये तीन नदियां हैं, जो एक-दूसरे से जुड़ती चली जाती हैं। इस नदी का उद्गम मंगोलिया के मध्य भाग से होता है और रूस के कई क्षेत्रों से बहते हुए ये नदी आर्कटिक महासागर में मिल जाती है।

ओब-इरटिस नदी

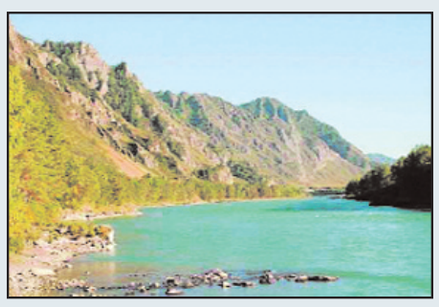

ओब-इरटिस नदी या ओबी नदी उत्तरी एशिया के पश्चिमी साइबेरिया क्षेत्र की एक नदी है और दुनिया की सातवीं सबसे लंबी नदी है। येनिसेय नदी और लेना नदी के साथ यह आर्कटिक सागर में बहने वाली तीसरी महान साइबेरियाई नदी मानी जाती है। ओब नदी की शुरुआत रूस के अल्ताई क्राय प्रदेश के बियस्क शहर से 26 किमी दक्षिण-पश्चिम में बिया नदी और कतुन नदी के संगम से होती है। इस नदी की लंबाई 5410 किलोमीटर (3364 मील) है।

पराना नदी

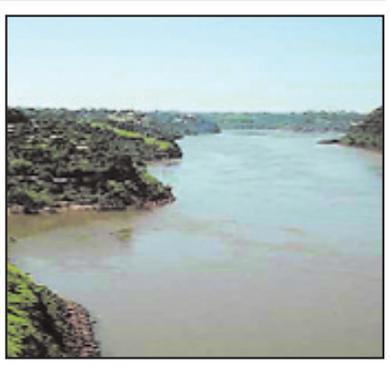

पराना नदी दक्षिण मध्य अमेरिका में बहने वाली एक नदी है। यह ब्राजील, पैराग्वे और अर्जेंटीना में बहते हुए 4,880 किलोमीटर (3,030 मील) का सफ़र तय करती है। दक्षिण अमेरिका में बहने वाली नदियों में अमेजन नदी के बाद यह दूसरी सबसे बड़ी नदी है। पराना नदी के नाम का अर्थ है समुद्र जैसी विशाल। पहले यह पैराग्वे नदी में मिलती है और फिर और नीचे गिरते हुए उरुग्वे नदी में मिल जाती है और रिओ दे ला प्लाता नदी के मुहाने का निर्माण करते हुए अटलांटिक महासागर में मिल जाती है।

कम हो रहे हैं बाघ

टाइगर अर्थात् बाघ को देखकर तुम कैसे भयभीत हो जाते हो। इसकी बड़ी-बड़ी आंखें और दहाड़ सुनकर तुम्हारे अंदर का डर बाहर चला आता है और तुम छुप जाते हो। लेकिन तुम्हें पता है दूसरों के अंदर भय पैदा करने वाला यही टाइगर आज अपने जीवन को लेकर भयभीत है। इनके अस्तित्व पर लगातार खतरा मंडरा रहा है और यह प्रजाति विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गई है। एक अनुमान के मुताबिक पूरे विश्व में मात्र 3,200 के करीब ही टाइगर बचे हैं। यह संख्या किसी भी प्रजाति के लिए काफी कम है। पिछले सौ साल में धरती से टाइगर की लगभग 97 फीसदी आबादी खत्म हो चुकी है। इनकी कई प्रजातियां तो बिलकुल ही विलुप्त हो गई हैं। पर्यावरणविदों का मानना है कि अगर इनकी संख्या घटने की यही रफ्तार रही तो आने वाले एक-दो दशक में बाघ का नामो-निशान इस धरती से मिट जाएगा। इसलिए इनके संरक्षण के लिए कई देश मुहिम भी चला रहे हैं।

ब्रह्मपुत्र (यलो) नदी

ब्रह्मपुत्र (यलो) नदी मध्य और दक्षिण एशिया की प्रमुख नदी है, जो दुनिया की छठवीं सबसे लंबी नदी है। इसकी लंबाई 5464 किलोमीटर यानी 3398 मील है। यह चीन, तिब्बत, भारत तथा बांग्लादेश से होकर बहती है। ब्रह्मपुत्र का उद्गम तिब्बत के दक्षिण में मानसरोवर के निकट चेमायुंग दुंग नामक हिमवाह से हुआ है। इसका नाम चीन में या-लू-त्सांग-पू चियांग (यलो) तिब्बत में सांपो, अरुणाचल में डिहं तथा असम में ब्रह्मपुत्र है। यह नदी बांग्लादेश की सीमा में जमुना के नाम से दक्षिण में बहती हुई गंगा की मूल शाखा पद्मा के साथ मिलकर बंगाल की खाड़ी में जाकर मिलती है। यह दुनिया की सबसे गहरी नदी है।

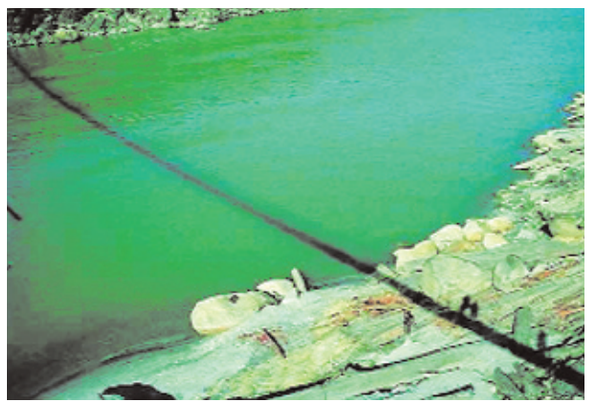

कांगो नदी

कांगो नदी को जेयरे नदी के नाम से भी जाना जाता है। यह अफ्रीका की एक प्रमुख नदी है। 4700 किलोमीटर (2922 मील) की दूरी तय करने वाली यह नदी पश्चिम-मध्य अफ्रीका की सबसे विशाल और नील नदी के बाद अफ्रीका की सबसे लंबी नदी है। नदी अपने मुहाने पर सात मील चौड़ा रूप धारण कर समुद्र में गिरती है। यह समुद्र में प्रति सेकंड 20 लाख घन फुट कीचड़ युक्त पानी गिराती है, जो संपूर्ण मिसिसिपी के औसत का चौगुना है। इसका कीचड़ युक्त पानी समुद्री किनारे से 100 मील दूर तक तथा 4,000 फुट की गहराई तक समुद्री जल से अलग रूप में स्पष्ट दिखाई देता है।

अमूर-अर्गुन नदी

अमूर नदी दुनिया की 9वीं सबसे लंबी नदी है। यह नदी रूस के सूदूर पूर्वी क्षेत्रों और पूर्वोत्तरी चीन के दरमियान अंतरराष्ट्रीय सीमा भी है। रूस और चीन के बीच जमीन के लिए जो झड़पें 17वीं शताब्दी में आरंभ हुईं और 20वीं शताब्दी तक चलीं, उनमें अमूर नदी की अहम भूमिका थी। अमूर नदी पश्चिमी मंचूरिया की पहाड़ियों में शिल्का नदी और अर्गुन नदी के मिलाप से 303 मीटर की ऊंचाई पर जन्म लेती है। इसकी लंबाई 4444 किलोमीटर यानी 2763 मील है।

न्यूज इन शॉर्ट

डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं की ओर एक सशक्त कदम

रायपुर। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा टेली मेडिसिन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराना है।कार्यक्रम के तहत मरीज अब विशेषज्ञ डॉक्टरों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, फोन कॉल या मोबाइल ऐप्स के जरिए सलाह लेकर स्वास्थ्य का लाभ ले रहे हैं। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि यात्रा की परेशानी और खर्च भी कम होगा। इस पहल से विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सशक्त हो रही है। टेली मेडिसिन कार्यक्रम हमारे डिजिटल इंडिया मिशन को स्वास्थ्य क्षेत्र में साकार करता है। यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं में समानता लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।छत्तीसगढ़ राज्य में आयुष विभाग द्वारा अप्रैल 2024 से कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम अंतर्गत वर्तमान में 256 आयुष संस्थाओं में टेली मेडिसिन की सेवाएं संचालित की जा रही है, जिसे चरणबध्द तरीके से संपूर्ण आयुष संस्थाओं में विस्तारित किया जावेगा। 02 हब, 54 हब सह स्पोक, 200 हब सेंटर का चयन किया गया है। अब तक 8056 हितग्राहियों को टेली मेडिसिन के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया गया है।

श्रमिक सुरक्षा और उत्कृष्ट कार्य को मिलेगा सम्मान, 2 लाख रुपये का 'श्रम यशस्वी पुरस्कार'

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग ने श्रम के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रमिकों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए स्व. रामानुज प्रताप सिंहदेव स्मृति श्रम यशस्वी पुरस्कार-2025-26 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस पुरस्कार के तहत चयनित श्रमिक अथवा संस्था को 2 लाख रुपये की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

यह पुरस्कार उन श्रमिकों एवं संस्थाओं को प्रदान किया जाएगा, जिन्होंने 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 की अवधि में श्रम के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट कार्य किया हो। विशेष रूप से ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनसे मजदूरों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए प्रभावी उपाय किए गए हों और जिनके परिणामस्वरूप पूरे वर्ष में कोई गंभीर दुर्घटना न हुई हो।

इसके साथ ही कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा सुरक्षित कार्य वातावरण को बढ़ावा देने की दिशा में उल्लेखनीय योगदान करने वाले श्रमिकों एवं संस्थाओं को भी पुरस्कार के लिए चयनित किया जाएगा। ऐसे प्रयास, जिनसे प्रदेश का नाम श्रम जगत में गौरवान्वित हुआ हो, पुरस्कार के लिए महत्वपूर्ण आधार होंगे।श्रम विभाग द्वारा पात्र श्रमिकों एवं संस्थाओं से 5 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। पुरस्कार से संबंधित नियम, पात्रता, प्रक्रिया एवं आवेदन प्रपत्र भी इसी वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। 'श्रम यशस्वी पुरस्कार' श्रम के क्षेत्र में उत्कृष्टता, श्रमिक सुरक्षा और स्वस्थ कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। पुरस्कार के माध्यम से उन श्रमिकों एवं संस्थाओं के प्रयासों को सार्वजनिक पहचान मिलेगी, जो कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों को मजबूत करने, श्रमिकों के स्वास्थ्य की रक्षा करने और सुरक्षित कार्य वातावरण के निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं।

आशीर्वाद का दीया अभियान से जुड़ीं बिहान की महिलाएं: गढ़ रहीं 'संकल्प के दीये'

आशीर्वाद का दीया अभियान से जुड़ीं बिहान की महिलाएं- गढ़ रहीं 'संकल्प के दीये'

दीपावली से पहले ही मिली खुशियों की रोशनी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मिट्टी को आकार देती उंगलियां, आंखों में आत्मनिर्भरता का सपना और मन में सेवा का संकल्प महासमुंद जिले की महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियां इन दिनों कुछ ऐसा ही कर रही हैं। उनके हाथों से आकार ले रहा हर दीया सिर्फ मिट्टी का दीपक नहीं, बल्कि संकल्प, स्वावलंबन और आभार की रोशनी का प्रतीक बन रहा है।

'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम ने जिले की समूह की महिलाओं के जीवन में भी खुशियों का उजाला किया है। दीयों के मिले बड़े ऑर्डर ने महिलाओं को दीपावली से पहले ही दीपावली मनाने का अवसर दे दिया है।

लड्डू गोपाल समूह को मिला 37 हजार दीयों का ऑर्डर

महासमुंद जिले के लड्डू गोपाल स्व-सहायता समूह की दीदियों को 37 हजार दीये बनाने का ऑर्डर मिला है। इसके अलावा जिले के विभिन्न क्लस्टरों में भी बड़ी संख्या में दीयों के ऑर्डर प्राप्त हुए हैं। खल्लारी क्लस्टर को 8 हजार, खम्हरिया को 7 हजार, कोमाखान को 10 हजार और तेंदुकोना को 9 हजार दीयों का ऑर्डर मिला है। एक दीये की कीमत 1 रुपये निर्धारित है। महिलाओं के लिए यह सिर्फ आय का माध्यम नहीं, बल्कि अपने हुनर को पहचान दिलाने और आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ने का अवसर भी है।

हमारे हाथों का दीया बनेगा आभार का संदेश

समूह की अध्यक्ष भोज बाई चक्रधारी ने भावुक होकर बताया कि हम मिट्टी से दीये बनाते हैं, लेकिन इस बार इन दीयों के साथ हमारे मन की भावनाएं भी जुड़ी हैं। हमारे हाथों से बने ये दीये जब जलेंगे, तो यह हमारे लिए गर्व और खुशी की बात होगी। हमें दीपावली से पहले ही दीपावली मनाने का अवसर मिल रहा है। मेहनत का ऑर्डर मिला है, आमदनी का रास्ता खुला है और हमारे बनाए दीये सेवा एवं संकल्प की इस भावना को आगे बढ़ाएंगे।

साथ ही रमा चक्रधारी, गायत्री सिन्हा, योगेश्वरी दीवान, कविता दीवान, सुनीता सिन्हा का कहना है कि उनके द्वारा तैयार किए जा रहे ये दीये प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार और सेवा-संकल्प की भावना का संदेश लेकर रोशनी फैलाएंगे। उनके लिए यह केवल दीया बनाना नहीं, बल्कि अपने श्रम और हुनर के माध्यम से एक बड़े सामाजिक आयोजन में सहभागी बनने का अवसर है।उल्लेखनीय है कि 17 सितंबर को शाम महासमुंद जिले में 6 लाख 'आशीर्वाद के दीये' प्रज्वलित किए जाएंगे।

नवा रायपुर में 32वें अखिल भारतीय राज्य निर्वाचन आयुक्त सम्मेलन का भव्य शुभारंभ

नवा रायपुर में 32वें अखिल भारतीय राज्य निर्वाचन आयुक्त सम्मेलन का भव्य शुभारंभ

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर अटल नगर में 32वें अखिल भारतीय राज्य निर्वाचन आयुक्त सम्मेलन का आज भव्य शुभारंभ हुआ। लगभग 11 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद छत्तीसगढ़ को इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी का अवसर मिला है। सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने दीप प्रज्वलित कर किया।

नवा रायपुर में 32वें अखिल भारतीय राज्य निर्वाचन आयुक्त सम्मेलन का भव्य शुभारंभ

प्रथम संस्करण का विमोचन भी किया। यह प्रकाशन छत्तीसगढ़ में स्थानीय निकाय निर्वाचन की प्रक्रिया, उपलब्धियों, नवाचारों और चुनावी व्यवस्थाओं का महत्वपूर्ण दस्तावेज प्रस्तुत करता है।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री रमेन डेका ने स्थानीय निकायों एवं त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक सशक्त, पारदर्शी, समावेशी और तकनीक-सक्षम बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में स्थानीय स्वशासी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है और इनके निर्वाचन की प्रक्रिया में निरंतर सुधार तथा आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग आवश्यक है।

इस अवसर पर राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने सम्मेलन में देशभर से आए राज्य निर्वाचन आयुक्तों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं निर्वाचन विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए सम्मेलन के उद्देश्यों और स्थानीय निकाय निर्वाचन को अधिक प्रभावी एवं आधुनिक बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव श्री विकास शील ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने स्थानीय स्वशासन, निर्वाचन प्रक्रिया को प्रभावी बनाने तथा प्रशासन और निर्वाचन संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय के महत्व पर अपने विचार रखे। सम्मेलन के दौरान स्थानीय निकाय एवं पंचायत चुनावों से जुड़े समसामयिक विषयों, डिजिटल पहलों, तकनीकी नवाचारों तथा निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उपायों पर व्यापक विचार-विमर्श किया जा रहा है।

समारोह में राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह एवं आयोग की सचिव श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी सहित आयोग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे और अतिथियों का स्वागत किया। सम्मेलन के प्रथम दिन डिजिटल तकनीक के बढ़ते उपयोग, निर्वाचन प्रबंधन में नवाचार, पारदर्शिता तथा स्थानीय निकाय निर्वाचन की प्रक्रियाओं को अधिक सुगम और प्रभावी बनाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर परिचर्चा की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में राज्य निर्वाचन आयुक्तों की स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री विजय देव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। स्थायी समिति के संयोजक श्री सुधांशु पांडे ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दो दिवसीय यह सम्मेलन देश में स्थानीय लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने, निर्वाचन व्यवस्थाओं में आधुनिक तकनीक के समावेश तथा विभिन्न राज्यों के अनुभवों और नवाचारों को साझा करने की दिशा में महत्वपूर्ण मंच के रूप में आयोजित किया जा रहा है। कल 17सितम्बर को छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यालय नवा रायपुर अटल नगर में स्टैंडिंग कमिटी की बैठक होनी है। इसके बाद, नया रायपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी केपिटल सिटी, नया रायपुर के निर्माण और विकास के बारे में प्रस्तुतीकरण होगा। तत्पश्चात सभी अतिथियों को नया रायपुर के प्रमुख स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा, जिसमें छत्तीसगढ़ विधानसभा, छत्तीसगढ़ आदिवासी संग्रहालय एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का भ्रमण भी शामिल है।

सेवा संकल्प अभियान के प्रथम दिवस जशपुर में जगमगाएंगे 5 लाख से अधिक आशीर्वाद के दीप

17 सितंबर को शाम 7 बजे रणजीता स्टेडियम, गौरव पथ, महाराजा चौक, दिलीप सिंह जूदेव प्रतिमा एवं बिरसा मुंडा चौक सहित जिलेभर में होगा दीप प्रज्वलन

अमृत सरोवरों, प्रधानमंत्री आवास, महतारी वंदन हितग्राहियों, बिहान समूहों और शासकीय संस्थानों में भी प्रज्वलित होंगे दीप

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सेवा, सुशासन और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जशपुर जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में विभिन्न जनकल्याणकारी एवं जनभागीदारी आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के प्रथम दिवस 17 सितंबर को शाम 7 बजे जिले में 5 लाख से अधिक आशीर्वाद के दीप प्रज्वलित करने का लक्ष्य रखा गया है।

सेवा संकल्प अभियान के प्रथम दिवस जिले के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों रणजीता स्टेडियम, गौरव पथ, महाराजा चौक, दिलीप सिंह जूदेव प्रतिमा चौक और बिरसा मुंडा चौक सहित सभी विकासखंडों, नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों में दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से जिलेवासी सेवा, सुशासन और जनभागीदारी के संकल्प के साथ अभियान से जुड़ेंगे।

अभियान को व्यापक जनभागीदारी से जोड़ने के लिए जिले के सभी अमृत सरोवरों, प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों, महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों, बिहान समूह की महिलाओं सहित शासकीय कार्यालयों एवं विभिन्न संस्थाओं में भी दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके साथ ही नागरिकों से अपने घरों और सार्वजनिक स्थलों पर दीप प्रज्वलित कर अभियान में सहभागी बनने की अपील की गई है। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने सभी विभागों को बेहतर आपसी समन्वय के साथ अभियान के लिए निर्धारित कैलेंडर के अनुरूप कार्यक्रमों का प्रभावी आयोजन एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान जनभागीदारी से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है, इसलिए इसकी सभी पहलों की समयबद्ध तैयारी करते हुए निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने अभियान के तहत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों एवं आयोजित गतिविधियों की फोटो और वीडियो सहित जानकारी निर्धारित गूगल ड्राइव में नियमित रूप से अपलोड करने के निर्देश दिए, ताकि अभियान की गतिविधियों का समुचित दस्तावेजीकरण एवं संधारण किया जा सके।

जल संसाधन विभाग की बड़ी सौगात

धमतरी और बालोद जिलों में 5 सिंचाई योजनाओं के लिए 21.50 करोड़ रुपये स्वीकृत

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा किसानों को बड़ी राहत देते हुए धमतरी और बालोद जिलों की पांच प्रमुख सिंचाई योजनाओं के सुदृढ़ीकरण एवं विकास कार्यों के लिए कुल 21 करोड़ 50 लाख 23 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इन योजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्रीय किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा।

प्रमुख स्वीकृतियाँ

धमतरी जिला के राजाडेरा लघु जलाशय जलद्वार के नवीनीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य के लिए 1 करोड़ 65 लाख 7 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इससे लगभग 285 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इसी प्रकार खट्टी एनीकट (महानदी) महानदी पर निर्मित खट्टी एनीकट के संरक्षण और जलद्वारों के उन्नयन कार्य हेतु 4 करोड़ 89 लाख 30 हजार रुपये मंजूर किए गए हैं, जिससे करीब 30 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित होगा।

बालोद जिला (कुल 3 योजनाएं) के जलाशयों में विद्युतीकरण तांदुला, गोंदली और खरखरा जलाशय में विद्युतीकरण व प्रकाश व्यवस्था के कार्यों के लिए 4 करोड़ 95 लाख 99 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इससे 285 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। खरखरा नदी के बांयी तट पर शीतला मंदिर के पास घाट एवं ग्राम मारीदेवरी तटबंध निर्माण कार्य के लिए 4 करोड़ 99 लाख 98 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है, जिससे 183 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र लाभांवित होगा।

तांदुला परियोजना के अंतर्गत सकरैद वितरक नहर (नाहंदा माईनर, डौकीडीह माईनर, सुखरी माईनर और भदेरा माईनर) के रिमॉडलिंग, लाइनिंग एवं पक्के कार्यों के उन्नयन के लिए 4 करोड़ 99 लाख 89 हजार रुपये मंजूर किए गए हैं। इससे भी 183 हेक्टेयर क्षेत्र के किसानों को सिंचाई का सीधा लाभ मिलेगा। इस प्रकार कुल 21.50 करोड़ रुपये की इन परियोजनाओं से प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन मजबूत होगा और कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

मशरूम उत्पादन और दुग्ध व्यवसाय से समूह की महिलाओं की आय में हुआ इजाफा

स्व-सहायता समूह से जुड़कर पलसाभाड़ी की 14 महिलाओं ने गढ़ी आजीविका की राह

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा में आत्मनिर्भर भारत और महिला सशक्तिकरण की भावना को आगे बढ़ाते हुए गरीब, ग्रामीण और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने पर विशेष जोर रहा है। इसी सोच को धरातल पर साकार करते हुए ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर महासमुन्द जिले की ग्रामीण महिलाएं आज स्वरोजगार और आयवर्धक गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भरता ओर बढ़ रही हैं।

इसी क्रम में महासमुंद जिले के विकासखण्ड बसना के ग्राम पंचायत खोगसा के आश्रित ग्राम पलसाभाड़ी की श्रीमती सावित्री पटेल की सफलता इसी बदलाव की कहानी है।

स्व सहायता समूह का गठन किया और आत्मनिर्भरता की दिशा में अपनी विकास यात्रा शुरू की

बसना के ग्राम पलसाभाड़ी में 17 अप्रैल 2018 को 14 महिलाओं ने मिलकर भवानी महिला स्व सहायता समूह का गठन किया। समूह की सभी महिलाएं गरीबी रेखा परिवार से संबंधित थीं और गृहणी के रूप में अपने परिवार की जिम्मेदारियां संभाल रही थीं। बिहान योजना के तहत आयोजित सीआरपी चक्र के दौरान पहुंचीं सीआरपी दीदियों ने महिलाओं को स्व सहायता समूह के गठन, बचत, ऋण सुविधा तथा विभिन्न विभागीय योजनाओं से मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। इससे प्रेरित होकर महिलाओं ने एकजुट होकर स्व सहायता समूह का गठन किया और आत्मनिर्भरता की दिशा में अपनी विकास यात्रा शुरू की।

समूह गठन के बाद श्रीमती सावित्री पटेल ने व्यक्तिगत आय बढ़ाने के उद्देश्य से मशरूम उत्पादन का कार्य शुरू करने का निर्णय लिया। उनके घर में व्यवसाय के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध था, लेकिन शुरुआती पूंजी की कमी के कारण वे इसे बड़े स्तर पर शुरू नहीं कर पा रही थीं। बिहान योजना से जुड़ने के बाद समूह को प्राप्त आरएफ एवं सीआईएफ राशि तथा बैंक लिंकेज से मिली वित्तीय सहायता ने सावित्री के सपनों को नई उड़ान दी। उन्होंने मशरूम उत्पादन के साथ-साथ गाय पालन एवं दुग्ध उत्पादन को भी अपनी आजीविका का हिस्सा बनाया।

इन गतिविधियों से सावित्री पटेल के परिवार की आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव आया। श्रीमती सावित्री बताती है कि समूह से जुड़ने से पहले उनके परिवार की वार्षिक आय लगभग 85 हजार रुपये थी, जो विभिन्न आजीविका गतिविधियों को अपनाने के बाद बढ़कर लगभग 2 लाख 38 हजार रुपये वार्षिक हो गई है। ग्राम संगठन से प्राप्त राशि का भी समयपूर्व ब्याज सहित भुगतान किया जा रहा है। सावित्री बताती हैं कि स्व सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक मजबूती मिलने पर उनके आत्मनिर्भर होने का विश्वास भी बढ़ा है। वे बताती है कि परिवार के पालन-पोषण, स्वास्थ्य, बच्चों की उच्च

श्रमिक सुरक्षा और उत्कृष्ट कार्य को मिलेगा सम्मान, 2 लाख रुपये का 'श्रम यशस्वी पुरस्कार'

श्रम जगत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रमिक एवं संस्थाएं 5 अक्टूबर तक कर सकेंगे आवेदन

श्रमिकों और संस्थाओं को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र सहित मिलेगा पुरस्कार

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग ने श्रम के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रमिकों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए स्व. रामानुज प्रताप सिंहदेव स्मृति श्रम यशस्वी पुरस्कार-2025-26 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस पुरस्कार के तहत चयनित श्रमिक अथवा संस्था को 2 लाख रुपये की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

यह पुरस्कार उन श्रमिकों एवं संस्थाओं को प्रदान किया जाएगा, जिन्होंने 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 की अवधि में श्रम के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट कार्य किया हो। विशेष रूप से ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनसे मजदूरों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए प्रभावी उपाय किए गए हों और जिनके परिणामस्वरूप पूरे वर्ष में कोई गंभीर दुर्घटना न हुई हो।

इसके साथ ही कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा सुरक्षित कार्य वातावरण को बढ़ावा देने की दिशा में उल्लेखनीय योगदान करने वाले श्रमिकों एवं संस्थाओं को भी पुरस्कार के लिए चयनित किया जाएगा। ऐसे प्रयास, जिनसे प्रदेश का नाम श्रम जगत में गौरवान्वित हुआ हो, पुरस्कार के लिए महत्वपूर्ण आधार होंगे।

5 अक्टूबर तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

श्रम विभाग द्वारा पात्र श्रमिकों एवं संस्थाओं से 5 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। पुरस्कार से संबंधित नियम, पात्रता, प्रक्रिया एवं आवेदन प्रपत्र भी इसी वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

सुरक्षित कार्य संस्कृति को मिलेगा प्रोत्साहन

'श्रम यशस्वी पुरस्कार' श्रम के क्षेत्र में उत्कृष्टता, श्रमिक सुरक्षा और स्वस्थ कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। पुरस्कार के माध्यम से उन श्रमिकों एवं संस्थाओं के प्रयासों को सार्वजनिक पहचान मिलेगी, जो कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों को मजबूत करने, श्रमिकों केवातावरण के निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।